भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

19 फरवरी - 25 फरवरी 2025

jagrukjanta.net

फाल्गुन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - षष्ठी, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-51, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

न बच्चे बड़े होंगे और ना ही मां-बाप बूढ़े! बस आनन्द ही आनन्द

सटीक

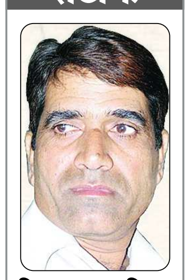

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

हमें आए दिन घर-बाहर सुनने को मिलता है कि अब बच्चे बड़े हो गए हैं। उनको कुछ नहीं कह सकते। दूसरी तरफ आज के बच्चे-बच्चियों के मुंह से भी यह सुना जाता है कि अब हम बड़े हो गए हैं। मगर हमारे मम्मी-पापा हमें टोकते ही रहते हैं। मैं ऐसे बच्चों से यह पूछना चाहता हूं कि यह कहां लिखा है कि जब बच्चे बड़े हो जाएं तो उन्हें टोको नहीं। मनुष्य जीवन में हमेशा कोई न कोई टोकने वाला और रोकने वाला होना ही चाहिए। अगर ऐसा होगा तो हमारा जीवन बहुत ही अच्छा और सुन्दर सब बाधाओं को पार करता हुआ व्यतीत होगा। ये शास्त्र और ये किताबें क्या हैं। हमें क्या पढ़ाया जाता है। ये सब शास्त्र लिखने वाले और पुस्तकें लिखने वालों का अनुभव ही तो है। और वह अनुभव हमें अगर मिलता है तो बहुत सारी बाधाएं हमारे सामने होंगी ही नहीं। जब बाधाएं होंगी ही नहीं तो फिर हमारा बहुत सा समय उलझनों और परेशानियों से बचेगा। जो समय बचेगा उससे हम और आगे बढ़ जाएंगे। इसके लिए हमें प्रतिदिन या जब भी समय हो, मां-बाप के पास बैठना चाहिए। मगर जिनके भाग्य में मां-बाप के पास बैठना नहीं लिखा हो, वह बात अलग है। मगर जिनके मां-बाप इस दुनिया में हैं उनके पास अवश्य बैठना चाहिए। वैसे तो मां बाप के पास बैठने से बहुत सारे फायदे होते हैं, लेकिन दो फायदे तो अवश्य होते ही हैं। पहला फायदा आप कभी बड़े नहीं होंगे और दूसरा मां-बाप कभी बूढ़े नहीं होंगे। इसलिए मां-बाप के पास बैठने की आदत डालिए। जब भी आप मां-बाप के पास बैठें तब सिर्फ और सिर्फ बच्चे बनकर ही बैठें। मां-बाप के पास बड़े बनकर बैठने की मूर्खता नहीं करनी चाहिए। मां-बाप को इससे कभी कोई मतलब नहीं होता कि आप कितने बड़े आदमी बन गए हो, क्योंकि मां-बाप हमेशा अपने बच्चों को बच्चा ही समझते हैं उनके हृदय में यही भाव रहता है। इसलिए तुम हमेशा जब भी मां-बाप के पास बैठो, वही बचपना और नटखट बनकर बैठो। इससे कभी भी आपको दुनिया के धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। अगर धक्के दुनिया के खाने भी पड़े तो तुम्हारे जीवन की चमक कभी कम नहीं होगी। बस बच्चे मां-बाप के पास बैठेंगे तो मां-बाप कभी बूढ़े नहीं होंगे। घर में बैठे मां-बाप के पास दुनियां के संघर्ष के अनुभव हैं जो संघर्ष तुम कर रहे हो वही संघर्ष करके तो आपको मां-बाप ने बड़ा किया है। इसलिए इनके पास बैठिए। इनके अनुभव आपको जीवन में कभी हारने नहीं देंगे। बात सिर्फ कुछ पल मां-बाप के पास उनका बेटा बनकर बैठने की है। बैठिए तो सही। फिर देखिए, न मां-बाप कभी बूढ़े होंगे और न तुम कभी बड़े होंगे। बस आनन्द ही आनन्द होगा।

shivdayalmishra@gmail.com

वित्त मंत्री दीया कुमारी का प्रदेश बजट आज

जयपुर @ जागरूक जनता। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी 19 फरवरी (बुधवार) को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को राज्य के वर्ष 2025-26 के बजट को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव (बजट) देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव (व्यय) नवीन जैन, शासन सचिव (राजस्व) कुमारपाल गौतम, निदेशक (बजट) बृजेश किशोर शर्मा उपस्थित रहे।

दिल्ली सरकारः मुख्यमंत्री की दौड़ में 7 से अधिक नेता

आज मंथन, कल चुना जाएगा सीएम!

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

नई दिल्ली। दिल्ली में नई सरकार के गठन को लेकर आज विधायक दल की बैठक की जाएगी। जिसमें नए सीएम को लेकर मंथन किया जायेगा। इसके बाद कल रामलीला मैदान में नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण हो सकता है। समारोह में बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं समेत एनडीएक के कई दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे।बैठक में भाजपा के सभी विधायक और दिल्ली के सातों सांसद मौजूद रहेंगे। इस बैठक में विधायक दल का नेता चुने जाने की संभावना है। इसके अलावा बैठक के बाद भाजपा विधायक दल के नेता पार्टी नेताओं के साथ उपराज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

इन नामों पर लगाए जा रहे कयास

भाजपा पीएम नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे से लौटने के बाद इस मामले में निर्णायक कदम उठाने जा रही है। दरअसल भाजपा के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चुनाव परिणाम आने के बाद ही कयास लगाए जा रहे हैं। इस मामले में विधायकों में विजेंद्र गुप्ता, प्रवेश वर्मा, रेखा गुप्ता, सतीश उपाध्याय, आशीष सूद, पवन शर्मा, अजय महावर आदि के नाम सामने आ चुके हैं।

'वाटर विजन 2047' सम्मेलन

मुख्यमंत्री शर्मा ने जल मंत्री सम्मेलन के प्रतिभागियों के सम्मान में दिया रात्रि भोज

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर में 18 और 19 फरवरी को आयोजित होने वाले द्वितीय अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों के सम्मेलन से पूर्व प्रतिभागियों के सम्मान में जग मंदिर परिसर में रात्रिभोज दिया। इस मौके पर सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया जिसमें लोक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटील के साथ बोट में सवार होकर जग मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त), त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव, हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, जलदाय मंत्री कन्हैया लाल, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित विभिन्न राज्यों के मंत्रीगण, विधायक और अधिकारीउपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि उदयपुर में 18 फरवरी से राष्ट्रीय जल मिशन, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय की ओर से दो दिवसीय अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों का सम्मेलन 'वाटर विजन-2047' आयोजित किया जा रहा है। देश में जल प्रबंधन व संरक्षण के लिए आयोजित इस राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, जल संसाधन, जल स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, वन एवं पर्यावरण मंत्री और अधिकारी हिस्सा ले रहे है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

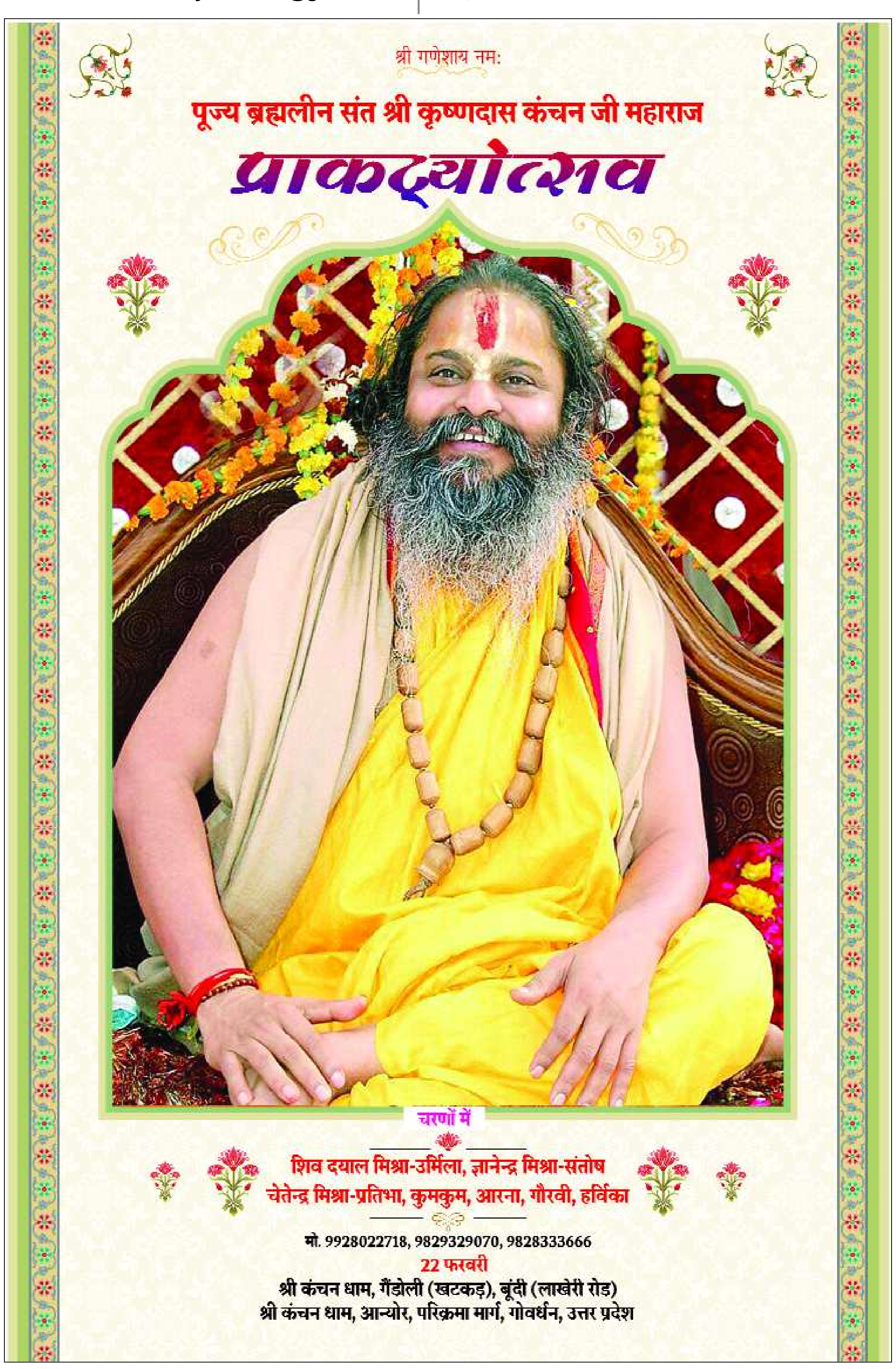

जागरूक जनता ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

गोविंद विहार आवासीय योजना की लॉटरी कल

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर विकास प्राधिकरण की गोविंद विहार आवासीय योजना में एक भूखण्ड के लिए 660 आवेदकों ने फॉर्म भरा है। योजना की लॉटरी बीस फरवरी को जेडीए परिसर में निकाली जाएगी। योजना में कुल 202 भूखण्डों के लिए 1,33,313 आवेदन जमा हुए हैं। जेडीए ने इससे पहले अटल विहार आवासीय योजना की लॉटरी निकाल दी है। इसके बाद अब गोविंद विहार आवासीय योजना की लॉटरी 20 फरवरी को निकाली जाएगी। सबसे अंत में पटेल नगर आवासीय योजना की लॉटरी 24 फरवरी को निकाली जाएगी।

दक्षिण पश्चिमी कमान अलंकरण समारोह 20 को

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य के निर्वहन में सैनिकों के वीरतापूर्ण और विशिष्ट कार्यों को पुरस्कृत करने के लिए 20 फरवरी को गांडिव ऑडिटोरियम, कोटा मिलिट्री स्टेशन में दक्षिण पश्चिमी कमान अलंकरण समारोह आयोजित किया जाएगा। सैन्य जन सम्पर्क अधिकारी कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को वीरता और विशिष्ट पुरस्कार दिए जायेंगे और यूनिटों को उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिये जनरल ऑफिसर कमांडिग-इन-चीफ़ यूनिट प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया जायेगा।

मध्य, पश्चिम एवं उत्तरी क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित

हिंदी संवैधानिक निर्देश ही नहीं, एक राष्ट्रीय आवश्यकता-शर्मा

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि हिंदी को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है क्योंकि यह हमारे मन की अभिव्यक्ति का स्वरूप है। हिंदी न केवल हमारी राजभाषा है बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता की प्रतीक भी है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हर संभव प्रयास करें क्योंकि यह केवल एक संवैधानिक निर्देश ही नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय आवश्यकता भी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित मध्य पश्चिम एवं उत्तरी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदी के सम्मान, प्रयोग और प्रसार में अपनी पूरी शक्ति और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए हमें हर स्तर पर, हर क्षेत्र में इसे प्रोत्साहित करना चाहिए। यही हमारी असल पहचान है।

इस अवसर पर सरकारी कामकाज में हिंदी में सर्वोत्कृष्ट कार्य करने वाले मध्य, पश्चिम तथा उत्तर भारत के केंद्रीय सरकार के कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को पुरस्कृत भी किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष सहित 16 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से केंद्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों व उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हिंदी भाषा हमारी संस्कृति, सोच और विचारों का सशक्त रूप

मुख्यमंत्री ने डिजिटल युग में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के तकनीकी युग में हिंदी को डिजिटल प्लेटफार्मों पर भी समाहित करना आवश्यक है। इस सम्मेलन में कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के नवीनतम तरीकों और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है, जो सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति, सोच और विचारों का सशक्त रूप है। हमारे प्रदेश में हिंदी का प्रशासनिक क्षेत्र में व्यापक प्रयोग हो रहा है। राजकीय विभागों में हिंदी के मानक प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किए हैं। इनके नेतृत्व ने न केवल हमारी सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया है बल्कि देश में आंतरिक सुरक्षा को लेकर अगाध विश्वास पैदा किया है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले पुरुस्कृत सभी संस्थानों और व्यक्तियों को बधाई देते हुए कहा कि इन सभी का योगदान हिंदी के प्रति हमारे लगाव को और मजबूत करता है।

राजभाषा हिंदी देश की एकता की सूत्रधार - केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने अपने संबोधन में कहा कि हमें देश की सभी भाषाओं का मान-सम्मान रखते हुए हिन्दी को राष्ट्रीय बोलचाल की भाषा बनाने के लिए प्रयास करना होगा। राजभाषा हिंदी का प्रयोग हमारी एकता का सूत्रधार है। उन्होंने कहा कि भाषा मानव समाज और देश की अंतः शक्ति है। यदि हम भाषा को उसके सीमित रूप में देखें तो यह केवल संप्रेषण का माध्यम मात्र है लेकिन यदि राष्ट्र के संदर्भ में देखा जाए तो भाषा और संस्कृति किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है जिसमें देशवासी संवाद करते हैं।

केन्द्र सरकार राजभाषा को समृद्ध और सक्षम बनाने के लिए कर रही निरंतर काम

राय ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को आखिरी सिरे तक पहुंचाना सरकारी तंत्र की सफलता की कसौटी है। हमारा लोकतंत्र तभी फल फूल सकता है जब हम जन-जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुंचाएं और इसमें कोई संदेह नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा हिंदी इस जिम्मेदारी को बखूबी निभा रही है। उन्होंने कहा कि हमें व्यापक रूप से सरल और सहज भाषा का प्रयोग करके राजभाषा और जन भाषा के बीच दूरी को पाटना होगा ताकि देश का हर नागरिक देश की प्रगति से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि देश भर में राजभाषा को समृद्ध और सक्षम बनाने एवं भारतीय भाषाओं का प्रयोग बढ़ाने के लिए बीते 10 वर्षों में महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

हिन्दी भारत ही नहीं विदेशों में भी लोकप्रिय

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हिंदी भारत में ही नहीं नेपाल, सूरीनाम, फिजी, मारीशस, और गुयाना के साथ ही दूसरे बहुत से देशों में समान रूप से लोकप्रिय है। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी ने पूरे देश में राष्ट्र प्रेम और स्वाभिमान की भावना जागृत करने में अमूल्य योगदान दिया था। उन्होंने भारतीय भाषाओं की श्रेष्ठ साहित्यिक कृतियों का अनुवाद हिंदी में तथा हिंदी की श्रेष्ठ कृतियों का अनुवाद अन्य भारतीय भाषाओं में किए जाने पर बल दिया जिससे भाषा सद्भाव के साथ राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत किया जा सके। सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं और राजभाषा हिंदी एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी नहीं बल्कि एक-दूसरे की पूरक हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए जिससे जनहित की योजनाओं का लाभ आमजन तक सही मायने में पहुंचे। उन्होंने सम्मेलन का जयपुर में आयोजन करने के लिए जयपुर वासियों की ओर से आभार प्रकट भी किया। केन्द्रीय राजभाषा विभाग की सचिव सुश्री अंशुली आर्या ने कहा कि क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलनों के आयोजन का उद्देश्य देश में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि और भारतीय भाषाओं की समृद्धि से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को अब यह अहसास होने लगा है कि हमारा स्वाभिमान, संस्कृति और भाषा परस्पर जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हमें अपनी विशिष्ट भाषाई विरासत पर गर्व करते हुए अपने संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का माध्यम भी बना है।

जयपुर नगर निगम परिसीमन : ग्रामीण इलाकें भी होंगे शामिल

शामिल होंगी कई पंचायतें, दोनों की निगमों की सीमाएं होंगी एक

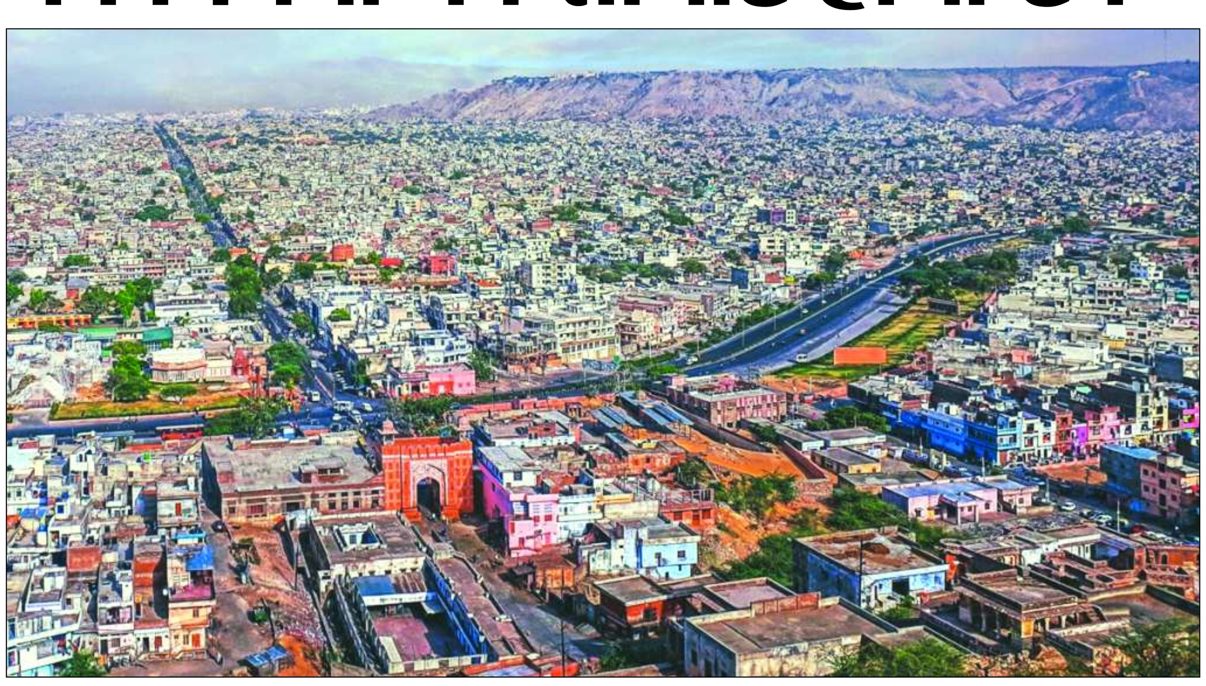

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के दोनों नगर निगमों की सीमाएं एक होंगी और विस्तार भी किया जाएगा। शहर से सटे ग्रामीण इलाकों को नगर निगम में शामिल करने की योजना है, जिससे झोटवाड़ा और बगरू विधानसभा क्षेत्रों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। इसके अलावा, आमेर और आदर्श नगर विधानसभा के कुछ ग्रामीण क्षेत्र भी निगम सीमा में जोड़े जाएंगे। इसके अलावा जोधपुर और कोटा के निगमों को भी एक किया जाएगा। 3 महीने तक चलने वाली इस प्रक्रिया के तहत 16 फरवरी से 20 मार्च तक वार्डों में परिसीमन के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। 15 मई तक सभी आपत्तियों का समाधान करते हुए प्रस्तावों को पारित किया जाएगा।

वार्डों की संख्या बढ़कर हो सकती है 150

कुछ वर्षों में सिरसी रोड, कालवाड़ रोड, दिल्ली रोड, आगरा रोड और जगतपुरा क्षेत्रों में तेजी से शहरी विस्तार हुआ है, इन इलाकों में नए वार्ड जोड़े जाएंगे। परिसीमन के तहत तीन से चार वार्डों को मिलाकर एक वार्ड बनाया जाएगा। इससे वार्डों की संख्या 91 (पांच साल पहले जब दो की बजाय एक निगम था) से बढ़कर 150 हो सकती है।

राजनीतिक गलियारा

कांग्रेस : कांग्रेस एक निगम बनाए जाने का विरोध कर रही है। पार्टी का तर्क है कि छोटे वार्ड होने से जनता की समस्याओं का समाधान बेहतर तरीके से किया जा सकता है, जबकि बड़े वार्ड बनने से असुविधाएं बढ़ेंगी। वैसे दो निगम बनाने पर हैरिटेज निगम में कांग्रेस का बोर्ड बना था।

भाजपा : निगम गठन के बाद से जयपुर में हमेशा भारतीय जनता पार्टी का दबदबा रहा है। पार्टी का मानना है कि, कांग्रेस ने राजनीतिक फायदे व खुद का बोर्ड बनाने के लिए दो निगम बनाए और वार्डों का पुनर्सीमांकन मनमर्जी से किया, लेकिन इससे जनता को कोई फायदा नहीं हुआ।

जयपुर शहर के विस्तार को देखते हुए नगर निगम की सीमा बढ़ाना आवश्यक माना जा रहा है। सरकार की ओर से दोनों नगर निगमों को एक करने के फैसले को प्रशासनिक दृष्टि से उचित बताया जा रहा है, क्योंकि एक शहर में दो नगर निगम होने से समन्वय की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने सियासी फायदे के लिए दो निगमों का गठन किया था। समुदाय विशेष के वार्डों को छोटा किया और हैरिटेज नगर निगम में अपना महापौर बनाया।

मोहन लाल गुप्ता, जयपुर के पहले महापौर

परकोटा में घटेगी वार्डों की संख्या

परकोटा में किशनपोल, आदर्श नगर और हवामहल विधानसभा क्षेत्र आते हैं, जिनमें फिलहाल हैरिटेज नगर निगम के लगभग 25 वार्ड हैं। परिसीमन के बाद इनकी संया घटकर 10-11 हो सकती है।

वार्ड बढ़ाते रहे : सीमाएं वही रहीं

» वर्ष 1994 में जयपुर नगर निगम का गठन हुआ, लेकिन तब से सीमा नहीं बढ़ाई गई।
» वार्डों की संख्या बढ़ती रही, शुरुआती बोर्ड में 70 पार्षद थे, जबकि आखिरी बोर्ड में 91।
» कांग्रेस सरकार ने जयपुर को दो निगमों (ग्रेटर और हैरिटेज) में बांटा, लेकिन सीमा विस्तार नहीं किया।
» ग्रेटर में 150 और हैरिटेज में 100 वार्ड बनाए गए।

नई व्यवस्थाः अनुमानित स्थिति

» वर्तमान में प्रति वार्ड जनसंख्या 7,000 से 13,000 के बीच है।
» परिसीमन के बाद प्रति वार्ड जनसंया 35,000 से 40,000 तक हो सकती है।

मंत्री ने मुंबई से की थी जयपुर, जोधपुर और कोटा की तुलना

झुंझुनूं दौरे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कहा कि पहले की सरकार ने जयपुर, कोटा, जोधपुर में दो-दो नगर निगम बनाने का काम किया, वह एक राजनैतिक फैसला था जिसमें जनता से कोई सरोकार नहीं था। जब तीन-साढ़े तीन करोड़ की जनसंख्या पर मुंबई जैसे शहर में महानगरपालिका बड़े अच्छे ढंग से चल सकती है। तो फिर जयपुर, जोधपुर और कोटा में तो मुंबई के मुकाबले 10 प्रतिशत भी जनसंख्या नहीं है। इसलिए सरकार ने सैद्धांतिक निर्णय ले लिया है। जल्द ही इन तीनों शहरों में 2 की जगह पहले की तरह एक ही नगर निगम होगा।

MEAM यंग सिटीजन ऑफ़ इंडिया के तहत गुड लक स्कूल में हुआ आयोजित क्विज प्रोग्राम

सुरैया बी टीम रही पहले स्थान पर दूसरे पर चांद बीबी और तीसरे पर रहे निखत जरीन

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। आमागढ़ स्थित गुडलक स्कूल में माइनॉरिटी एजुकेशन अवेयरनेस मीट 2025 के तहत यंग सिटीजन ऑफ़ इंडिया द्वारा क्विज कंपटीशन का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 6 टीमों ने भाग लिया सुरैया बी, फातिमा शेख, सानिया मिर्जा,निखत जरीन, हजरत खदीजा और चांद बीबी। क्विज में सभी बच्चों से करीब 24 सवाल पूछे गए सभी टीम ने बेहतरीन अंदाज में उनका जवाब दिया। पहले स्थान पर रही सुरैया बी,दूसरे स्थान पर चांद बीबी और तीसरे स्थान पर निखत जरीन टीम रही।सभी सवाल हरदेव जोशी जनसंपर्क पत्रकारिता यूनिवर्सिटी की उपाध्यक्ष सारा इस्माइल ने किए उन्होंने कहा सभी बच्चों को टीचर्स ने शानदार तैयारी करवाई और सवालों को समझ कर अच्छे अंदाज में उन्होंने जवाब दिए।उन्होंने कहा क्विज प्रोग्राम का मकसद बच्चों के कॉन्फिडेंस को डेवलप करना और उनकी जनरल नॉलेज को बढ़ावा देने के साथ उनकी झिझक निकालना मकसद होता है अक्सर बच्चों को सवाल के जवाब आते हैं मगर वे देने से कतराते हैं इस क्विज प्रोग्राम का मकसद यही है कि बच्चा बेहिचक होकर जवाब दे। स्कूल के डायरेक्टर मोहम्मद अजहर ने कहा माइनॉरिटी एजुकेशन अवेयरनेस मीट 2025 यंग सिटिजन आफ इंडिया के तहत जो क्विज प्रोग्राम का आयोजन किया गया काबिले तारीफ है ऐसा प्रोग्राम पहले कभी आयोजित नहीं हुआ आवाम ए इंडिया चैनल की तरफ से इस प्रोग्राम को आयोजित किया गया और प्रोग्राम बड़ा कामयाब रहा आवाम ए इंडिया चैनल की टीम मुबारकबाद की पात्र है।

देवनानी की पहल पर विधान सभा सदन गतिरोध समाप्ति पर बनी सहमति : सदन शांतिपूर्ण चलाने में सभी दलों की सहमति बनी

विधान सभा की गरिमा को बनाये रखने का दायित्व दोनों पक्षों का-देवनानी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा का यह सदन लोकतंत्र का पवित्र स्थल है। इसकी गरिमा को बनाये रखने का दायित्व सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों का है। श्री देवनानी की अध्यक्षता में प्रातः उनके कक्ष में सोलहवीं विधान सभा के सभी प्रमुख दलों के वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। अध्यक्ष देवनानी ने बैठक में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष सहित सभी दलों के प्रमुख नेताओं की बातों को सुना। गत दिनों सदन में जो परिस्थितियां और वातावरण बना उस पर विधान सभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने दुःख और पीडा व्यक्त की। श्री देवनानी ने कहा कि भविष्य में इस पवित्र सदन में ऐसी कोई स्थिति पैदा ना हो। बैठक में विभिन्न दलों के वरिष्ठ सदस्यों के मध्य सदन को शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चलाने के लिए सहमति बनी। देवनानी ने कहा कि प्रतिपक्ष शांतिपूर्वक और गरिमामय तरीके से सदन में मुद्दे उठाये और राज्य सरकार द्वारा उनका समुचित तरीके से जवाब देने की व्यवस्था करें।

देवनानी ने कहा कि बुधवार 19 फरवरी को सदन में प्रदेश का बजट प्रस्तुत होगा। इस बजट को दोनों पक्ष शांतिपूर्वक सुने। बजट प्रदेश और प्रदेश की आठ करोड जनता के लिए महत्वपूर्ण होता है। सदन में बजट प्रस्तुतिकरण की कार्यवाही को आम जनता भी देखती है। प्रदेश की जनता से चुनकर आये जनप्रतिनिधिगण अपने आचरण और व्यवहार से जन आकांक्षाओं के अनुकूल आदर्श प्रस्तुत करें। देवनानी ने कहा कि विधान सभा सदन नियमों, परम्पराओं व मर्यादाओं से चलता है। उन्होंने सभी दलों से सदन को शांतिपूर्वक चलाने में सहयोग करने और बजट सत्र में आसन द्वारा दी गई व्यवस्था के तहत ही सार्थक बहस में अपनी बात समय सीमा में रखने के लिए कहा।

देवनानी ने कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पक्ष के सदस्यों का पूरा सम्मान करें। प्रश्नकाल को शांतिपूर्वक चलाएं। सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष जब सदन में बोलें तो दोनों पक्षों के सभी सदस्यों को उनका सम्मान करने के लिए उनकी बातों को शांतिपूर्वक सुनना चाहिए। शून्यकाल के बाद सदस्यों को अपनी बात सदन के सामने नियमों के तहत अध्यक्ष या सभापति की अनुमति के पश्चात ही रखनी चाहिए। विधान सभा अध्यक्ष के आसन से दी गई व्यवस्थाओं को सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष को पालना करनी चाहिए। प्रदेश की जनता के सामने विधान सभा सदन की गरिमा को प्रस्तुत करने का विधायकगण के लिए यह आदर्श मौका होता है।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी की अध्यक्षता में हुई बैठक सार्थक रही। देवनानी की मध्यस्थता से सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के तृतीय सत्र में प्रस्तुत होने वाले बजट से पहले सदन का गतिरोध समाप्त किये जाने पर सभी दलों की सहमति बनी। व्यवधान समाप्त करने के लिए श्री देवनानी ने सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली. खादय एंव आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान. रालोद के डॉ. सुभाष गर्ग और विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किए स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धासुमन अर्पित

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के निवास पर उनके पिता स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धासुमन अर्पित किए।

किसानों से कृषि जिंस खरीद के लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करें

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि किसान सुगमतापूर्वक अपनी उपज का समर्थन मूल्य पर विक्रय कर पाएं इसके लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि खरीद केन्द्रों पर जिंसों की गुणवत्ता मापदण्डों की समुचित पालना सुनिश्चित होनी चाहिए।

दक अपेक्स बैंक सभागार में राजस्थान राज्य क्रय-विक्रय सहकारी संघ (राजफैड) की समीक्षा बैठक में राजफैड अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि खरीद के लिए फरवरी अंत तक प्रत्येक सोसायटी का टेंडर अनिवार्य रूप से सम्पन्न किया जाए। टेंडर प्रक्रिया पारदर्शितापूर्ण और समयबद्ध होनी चाहिए। उन्होंने किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में खरीद केन्द्र खोले जाने के निर्देश दिए। खरीद केन्द्रों की आवश्यकता का पूर्व में ही समीक्षा व आकलन कर पर्याप्त मात्रा में बारदाना का इंतजाम लिया जाए। सहकारिता मंत्री ने कहा कि खरीद केन्द्रों पर मॉनिटरिंग टीम तैनात होनी चाहिए, ताकि सैम्पलिंग के नाम पर ठेकेदार या सोसायटी की मनमानी नहीं हो। उन्होंने निर्देश दिए कि खरीद केन्द्रों पर आवश्यक रूप से विक्रेता किसानों की वीडियोग्राफी करवाई जाए। दक ने गड़बड़ी करने वाली सोसायटी एवं ठेकेदारों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें ब्लैक लिस्ट करने व पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन केन्द्रों पर पूर्व में गड़बड़ी सामने आई है, उन्हें खरीद की अनुमति नहीं देने पर भी विचार किया जाए। भारत सरकार द्वारा 90 दिवस में खरीद की अनुमति प्रदान की जाती है, लेकिन प्रयास हो कि इसे कम समय में ही पूरा कर लिया जाए। उन्होंने किसानों को उनकी उपज विक्रय का समय पर भुगतान करने एवं नैफेड से भुगतान की प्रक्रिया समय पर सम्पन्न करवाये जाने के भी निर्देश दिए।

देवनानी ने विधान सभा कर्मी के परिजनों को प्रदान किया दो लाख का चैक

परिवार की सुरक्षा के लिये प्रधानमंत्री समाजिक सुरक्षा योजनाओं में बनें भागीदार-देवनानी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने यहां विधान सभा में विधान सभा कर्मी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी स्व. गोपाल सिंह की पत्नी पाना कंवर और पुत्र पंकज सिंह को भारतीय स्टेट बैंक की विधान सभा शाखा द्वारा प्रदत्त प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रू. की धनराशि का चैक प्रदान किया।

देवनानी ने विधान सभा कर्मियों का आवहान किया कि वे परिवार की सुरक्षा के लिये प्रधानमंत्री सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं में नामांकन कर परिवार की सुरक्षा में भागीदार बनें। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा की मौजूदगी में एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक एम.जी व्यास और एसबीआई की विधान सभा शाखा के मुख्य प्रबंधक संजय शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना में वार्षिक 20 रु. के प्रीमियम पर 2 लाख रु. का दुर्घटना बीमा और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में वार्षिक 436 रु. के प्रीमियम पर 2 लाख रु. का जीवन बीमा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जा रहा है। अटल पेंशन योजना में असंगठित क्षेत्र के व्यक्ति पेंशन योजना का लाभ ले सकते है।

सचिवालय से बाहर जाएंगे अन्य विभाग!

मेट्रो की अनुपयोगी भूमि के अन्य सरकारी विभागों को आवंटन की कैबिनेट आज्ञा जारी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। सचिवालय से अन्य विभाग बाहर जाएंगे। मेट्रो की अनुपयोगी भूमि के अन्य सरकारी विभागों को आवंटन की कैबिनेट आज्ञा जारी की है। राज्य के कार्मिक विभाग को 19,205 वर्ग मीटर भूमि मिलेगी। जयपुर की लालकोठी कृषि उपज मंडी स्थित भूमि मिलेगी। विभाग इसके लिए जेडीए को आदेश पूर्व में दे चुका है। यह भूमि कार्मिक विभाग को निशुल्क देने के आदेश दिए हैं। मंडी की 19,505 वर्ग मीटर भूमि जयपुर मेट्रो को दी गई थी। इसमें से 300 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई। विद्युत विभाग को सब स्टेशन के लिए आवंटित की गई। शेष 19,205 वर्ग मीटर भूमि कार्मिक विभाग को मिलेगी। राज्य मंत्रिमंडल ने इस बारे में फैसला किया था। कैबिनेट में निर्णय हुआ था। अब कैबिनेट आज्ञा जारी हुई है।

जयपुर रेलवे स्टेशन पर 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे अस्पताल में 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेलवे अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय, राजस्थान राज्य द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जयपुर रेलवे स्टेशन पर खाद्य सुरक्षा मानकों को बढ़ाना था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि प्रशिक्षण में डॉ. लक्ष्मी मीना, संयुक्त खाद्य सुरक्षा आयुक्त (रेलवे), डॉ. अंजू भारती, अभिहित अधिकारी (रेलवे), डॉ. विजय प्रकाश शर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र चौधरी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने प्रशिक्षुओं को खाद्य सुरक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं और 'ईट राइट स्टेशन' दिशानिर्देशों के अनुपालन पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यावहारिक व्याख्यान दिए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

राज्य स्तरीय शिकायत निराकरण समिति की बैठक

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत राज्य स्तरीय शिकायत निराकरण समिति की बैठक का आयोजन फसल कटाई प्रयोगों पर संबधित बीमा कम्पनियों द्वारा लगाये गये आपतियों के निस्तारण हेतु बीमा कम्पनियों के प्रतिनिधियों एवं राज्य स्तरीय शिकायत निराकरण समिति के सदस्यों के साथ पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में शासन सचिव ने हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों के खरीफ 2023 और रबी 2023-24 की फसल कटाई प्रयोगों की आपतियों के निस्तारण हेतु इन जिलों के अधिकारियों एवं बीमा कम्पनी प्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर योजना प्रावधान के अनुरूप कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे फसल कटाई प्रयोगों को पूर्ण ईमानदारी के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की गाईडलाइन के अनुसार समय पर संपादित करें। खरीफ 2023 के फसल कटाई प्रयोगों में लापरवाही बरतने वाले जालोर, सीकर, श्रीगंगानगर व जैसलमेर जिलों के 09 कृषि पर्यवेक्षकों को चार्ज शीट देने के निर्देश दियें। साथ ही जालोर, सीकर व जैसलमेर जिलों के 17 पटवारियों को चार्ज शीट देने के लिये संबंधित जिला कलेक्टर को आदेश दे दिये गये है। उल्लेखनीय है कि खरीफ 2023 का 1 हजार 557 करोड़ रूपये एवं रबी 2023-24 के 898 करोड़ रूपये के क्लेम पात्र फसल बीमा पॉलिस धारक कृषकों को वितरित किये जा चुके हैं। शेष फसल बीमा क्लेम की राशि अतिशीघ्र किसानों को वितरित कर दी जायेगी। वर्तमान सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत कृषकों को अब तक लगभग 3 हजार 122 करोड़ रूपये की राशि वितरित की जा चुकी है।

जयपुर संभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

राज्य सरकार का विजन 'हैरिटेज भी, हाइटेक भी' - मुख्यमंत्री

आमजन को मिले निर्बाध पानी-बिजली, जिला कलक्टर की होगी जिम्मेदारी बजट घोषणाओं का हो क्रियान्वयन, मौके पर जाकर हल करें

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर संभाग के सभी जिला कलक्टर्स को आगामी तीन दिन में पिछले बजट वर्ष 2024-25 की घोषणाओं के लम्बित प्रकरणों की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बजट संबंधी घोषणाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला कलक्टर की होगी और इस संबंध में मौका निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान किया जाए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लम्बित प्रकरणों का तकनीकी परीक्षण करते हुए आवश्यक स्वीकृतियां फरवरी माह के अंत तक जारी कर दी जाए। मुख्यमंत्री शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से जयपुर संभाग के विकास कार्यों एवं बजट घोषणाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। बैठक में जिला कलक्टर्स ने आगामी बजट 2025-26 के लिए पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन एवं परिवहन सुविधा सहित अन्य बिंदुओं पर सुझाव भी दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिला कलक्टर मौके पर निरीक्षण करते हुए तय मापदण्ड़ों एवं उपयोगिता के आधार पर इन कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित करें।

गर्मियों में आमजन को नहीं हो कोई परेशानी

गर्मी के मौसम में आमजन को पेयजल, बिजली सहित अन्य मामलों में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए सभी जिला कलक्टर्स कंटीन्जेंसी प्लान की तैयारी रखें तथा इन मामलों में जिला कलक्टर पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें। मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलक्टरों को आगामी गर्मियों के मौसम में पेयजल एवं बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने पेयजल के अवैध कनेक्शन के खिलाफ उचित कार्रवाई करने एवं बारिश के पानी के निकास की समुचित व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए।

विरासत संरक्षण भी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकास के साथ ही विरासत का संरक्षण हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार 'हैरिटेज भी और हाइटेक भी' के विजन को लेकर कार्य कर रही है। उन्होंने झुंझुनूं जिले के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि लोहार्गल सहित अन्य पर्यटन स्थलों के विकास के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए। साथ ही, उन्होंने सीकर जिले की समीक्षा करते हुए कहा कि खाटूश्याम जी के मंदिर को भव्यता प्रदान करने की बजट घोषणा की अनुपालना में विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाए ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को सुलभ एवं बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध हो सकें।

बांध सुरक्षा, पुनर्वास एवं बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 पर राज्य स्तरीय सम्मेलन

पुरानी नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए संकल्पित हमारी सरकार

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

उदयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि वैदिक काल से ही भारत में वर्षा जल को बांध और एनीकट में रोककर जल भंडारण की परम्परा रही है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार भी 'विकास भी और विरासत भी' ध्येय अनुरूप जल प्रबंधन के लिए तेजी से कार्य कर रही है। रावत शहर में 'बांध सुरक्षा, पुनर्वास एवं बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 पर राज्य स्तरीय सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे जल न्यूनता वाले राज्य में बांधों में सहेजी जल की एक-एक बूंद अमृत के समान है। इसी दृष्टि से राज्य सरकार बांधों को राज्य की आर्थिक समृद्धि का सूचक और मानवीय महत्ती आवश्यकता मानते हुए उनके बेहतर प्रबंधन की दिशा में कार्यरत है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि बांधों के निर्माण, रोके गए जल के बेहतर उपयोग के लिए तंत्र विकसित करना और जल ढांचों की सुरक्षा हमारी सरकार के लिए वर्तमान में अति महत्वपूर्ण कार्य हैं। उन्होंने कहा कि जल संचयन, सिंचाई, बिजली उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण और पीने के पानी में बांधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए हमारी सरकार ने प्रथम बजट में ही वाटरग्रिड की सोच को दर्शाया और अब उस दिशा में आगे बढ़ रही है। सत्र में केन्द्रीय जल आयोग के मुख्य अभियंता राकेश कश्यप ने भी अपने विचार रखें। उद्घाटन सत्र के बाद 'बांध सुरक्षा एवं प्रबंधन में राज्य सरकार का दृष्टिकोण', 'बांध सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन में चुनौती व ड्रिप की भूमिका', 'बेस्ट प्रैक्टिस फॉर डैम सेफ्टी मैनेजमेंट एट बीसलपुर डैम अंडर ड्रिप', 'डैम रिहैबिलिटेशन वर्क्स एट माही डैम अंडर ड्रिप' जैसे सत्रों में विशेषज्ञों ने विचार प्रस्तुत किए।

सम्पादकीय

वस्त्र क्षेत्र की उन्नति के लिए नई नीति और निवेश जरूरी

कृषि के बाद टेक्सटाइल सेक्टर सबसे अधिक रोजगार सृजन वाला क्षेत्र है। चीन के बाद भारत दूसरा टेक्सटाइल उत्पादक देश है, लेकिन हाल के वर्षों में इस लेबर ओरिएंटेड उद्योग को बांग्लादेश, फिलिपींस जैसे छोटे देशों से वैश्विक बाजार में चुनौती मिली है। 'भारत टेक्स' जैसे आयोजन भारतीय टेक्सटाइल उद्योग क्षेत्र के अवलोकन का अवसर देते हैं। राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारत मंडपम में भारत टेक्स के आयोजन से भारतीय कपड़ा उद्योग को वैश्विक निर्माण, तकनीक से लेकर बाजार तक के बारे में विस्तार का अवसर मिलता है। इसमें 120 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा टेक्सटाइटल और अपैरल्स निर्यातक है। हमारा टेक्सटाइटल निर्यात 3 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है। इसे 2030 तक 9 लाख करोड़ पहुंचाने का लक्ष्य है। भारत की मैन्यूफैक्चरिंग में टेक्सटाइल सेक्टर 11 फीसदी का योगदान दे रहा है। सरकार ने वर्ष 2015 में कपड़ा उद्योग के प्रौद्योगिकी उन्नयन हेतु 'संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन कोष योजना' को मंजूरी दी थी। एकीकृत वस्त्र पार्क योजना कपड़ा इकाइयों की स्थापना के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाओं के निर्माण हेतु सहायता प्रदान करती है। वस्त्र क्षेत्र में कुशल श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए समर्थ योजना की शुरुआत की गई। पूर्वोत्तर क्षेत्र वस्त्र संवर्द्धन योजना शुरू की गई है। पावरलूम टेक्सटाइल में नए अनुसंधान और विकास, नए बाज़ार, ब्रांडिंग, सब्सिडी और श्रमिकों हेतु पावर-टेक्स इंडिया योजना है। रेशम समग्र योजना व जूट आईकेयर योजना हैं। तकनीकी वस्त्रों के निर्माण का बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन शुरू किया गया है। हाल में भारत ने मेक इन इंडिया, ब्रांड इंडिया, खादी ब्रांड आदि की पहल की है। आम बजट 2025-26 में कपास की लंबे रेशे वाली किस्मों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए 500 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ पांच वर्षीय कपास मिशन की घोषणा की गई है। भारत उच्च गुणवत्ता वाले कार्बन फाइबर के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इनसे टेक्सटाइल क्षेत्र को मदद मिलेगी, हालांकि भारतीय टेक्सटाइटल सेक्टर कई समस्याओं से भी जूझ रहा है। भारतीय टेक्सटाइल उद्योग में असंगठित क्षेत्र तथा छोटे एवं मध्यम उद्योगों का प्रभुत्व देखने को मिलता है। तकनीकी अपग्रेडेशन की रफ्तार बहुत धीमी है। जीएसटी भारतीय वस्त्र उद्योग को वैश्विक बाजार में महंगा व अप्रतिस्पर्द्धी बनाता है। भारत में परिधान इकाइयों का औसत आकार 100 मशीनों का है, जो बांग्लादेश की तुलना में बहुत कम है, जहां प्रति कारखाना औसतन कम-से-कम 500 मशीनें हैं। टेक्सटाइल सेक्टर को कर्ज मिलने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि यह रोजगार सृजन वाला क्षेत्र है। इन चुनौतियों के चलते विदेशी निवेशक वस्त्र उद्योग में निवेश करने के बारे में बहुत उत्साहित नहीं हैं, इसलिए इस क्षेत्र में एफडीआई की कमी है। इसके अलावा तकनीकी वस्त्र निर्माण में हम 5वें स्थान पर होते हुए भी बहुत पीछे हैं। ऑटोमोबाइल, सिविल इंजीनियरिंग और निर्माण, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, औद्योगिक सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा आदि सहित विभिन्न उद्योगों में प्रयोग होने वाले तकनीकी वस्त्र के निर्माण को बढ़ावा देने की जरूरत है। भारत को वस्त्र क्षेत्र के समग्र विकास हेतु मिशन मोड में एक व्यापक खाका तैयार करने की आवश्यकता है। सरकार को सेबी, इरडा, ट्राई आदि की तरह कपड़ा क्षेत्र के लिए भी एक नियामक बनाना चाहिए और उद्योग को नीतिगत बाधाओं से मुक्त करना चाहिए।

फ्रीबिज पर आखिर सुप्रीम चिंतित क्यों

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

देश की सबसे बड़ी अदालत ने सरकार की मुफ्त रेवड़ियों पर आश्रित लोगों और सरकार पर कटाक्षपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा नगद धनराशि एवं निःशुल्क सुविधाएं देने के वादों पर कहा है कि राष्ट्रीय विकास के लिए लोगों को मुख्य धारा में लाने की बजाय, क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं बना रहे? ये लोग मुफ्त राशन और धन मिलने से काम करने को तैयार नहीं हैं। अदालत ने यह टिप्पणी शहरी इलाकों में बेघर लोगों के आश्रय के अधिकार से जुड़ी मांग पर सुनवाई के दौरान की है। अदालत की इस चिंता को राष्ट्रीय हित के परिप्रेक्ष्य में वाजिब कहा जा सकता है, क्योंकि इससे ऐसे लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

जीव-विज्ञान की भाषा में परजीवी ऐसे जीवाणु या कीटाणु होते हैं, जो किसी दूसरे जीव के अंदर रहकर उससे भोजन प्राप्त करते हैं। देश की सबसे बड़ी अदालत ने सरकार की मुफ्त रेवड़ियों पर आश्रित ऐसे ही लोगों और सरकार पर कटाक्षपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा नगद धनराशि एवं निःशुल्क सुविधाएं देने के वादों पर कहा है कि राष्ट्रीय विकास के लिए लोगों को मुख्य धारा में लाने की बजाय, क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं बना रहे? ये लोग मुफ्त राशन और धन मिलने से काम करने को तैयार नहीं हैं। अदालत ने यह टिप्पणी शहरी इलाकों में बेघर लोगों के आश्रय के अधिकार से जुड़ी मांग पर सुनवाई के दौरान की है। अदालत की इस चिंता को राष्ट्रीय हित के परिप्रेक्ष्य में वाजिब कहा जा सकता है। क्योंकि मुफ्त राशन और धन मिलने से लोग आलसी और निकम्मे तो हो ही रहे हैं, इनकी संख्या भी लगातार बढ़ रही है। भारत सरकार 81 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन तो दे ही रही है, राज्य सरकारें चुनाव के ठीक पहले लाडली बहनों को प्रतिमाह 1250 से लेकर 3000 रुपये तक नगदी का लालच देकर मतदाता को लुभा रही हैं। नतीजतन मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग मुफ्त की रेवड़ियों के लालच में मतदान करने लगा है। यह स्थिति संवैधानिक लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है।

निर्वाचन लोक-पर्व के अवसर पर मुफ्त में तोहफे बांटे जाने की घोषणाएं सभी राजनीतिक दल बढ़-चढ़कर करते रहे हैं। हालांकि निर्वाचन के बाद ज्यादातर वादे फरेब साबित होते हैं। बावजूद मतदाता को इस प्रलोभन में लुभाकर राजनीतिक दल और प्रत्याशी अपना स्वार्थ साधने में सफल हो जाते हैं। परंतु अब सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी रेवड़ियां बांटे जाने पर गंभीर चिंता जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुफ्त के इन उपहारों पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। परंतु भाजपा भी चुनावों में रेवड़ियां बांटने के वादों से पीछे नहीं रही। लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भाजपा की जीत के कारणों में इन वादों की भी अहम भूमिका रही है।

भाजपा नेता एवं अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने भी मुफ्त के वादों पर रोक के लिए न्यायालय में याचिकाएं लगाई हुई हैं। उन्होंने ऐसे दलों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। इन वादों पर रोक इसलिए जरूरी है, क्योंकि इन लोक-लुभावन वादों के दो तरह के प्रभाव देखने में आते हैं। एक तो ये मतदाताओं के निष्पक्ष निर्णय को प्रभावित करते हैं और दूसरे, इन्हें पूरा करने के लिए अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अब चुनाव नीतियों और कार्यक्रम की बजाय प्रलोभनों का फंडा उछालकर लड़े जाने लगे हैं। अपना उल्लू सीधा करने के लिए मतदाता को बरगलाना आदर्श चुनाव संहिता को ठेंगा दिखाने जैसा है। सही मायनों में वादों की घूस से निर्वाचन प्रक्रिया प्रदूषित होती है, इसलिए इस घूसखोरी को आदर्श आचार संहिता के दायरे में लाना जरूरी है। अफलातूनी वादों के उलट हकीकत में अब ज्यादा जरूरत शासन-प्रशासन को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की है। यह वादा ज्यादातर राजनीतिक दलों के घोषणा-पत्र से हमेशा गायब रहा है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी एक समय जरूर भ्रष्टाचार

मुक्त सरकार देने की राह पर चली थी, लेकिन अपने तीसरे कार्यकाल में शराब नीति में घोटाले और शीशमहल जैसे राजसी वैभव में डूब गई। आप ने बिजली दरें 50 फीसदी कम करने और हर परिवार को रोजाना 700 लीटर पानी मुफ्त मुहैया कराने के बुनियादी वादों के साथ चुनाव लड़ा और जीता भी, लेकिन सरकार की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई। तमिलनाडू की मुख्यमंत्री रहीं जयललिता ने तो चुनावी वादों का इतना बड़ा पिटारा खोल दिया था कि यह मामला जनहित याचिका के जरिए सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया था। इस याचिका में अन्नाद्रमुक की चुनावी घोषणा को भ्रष्ट आचरण मानते हुए असंवैधानिक ठहराने की मांग की गई थी, लेकिन न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी थी। उस समय न्यायालय ने दलील दी थी कि घोषणा-पत्रों में दर्ज प्रलोभनों को भ्रष्ट आचरण नहीं माना जा सकता है। न्यायालय ने लाचारगी प्रकट करते हुए कहा था कि इस तरह के मामलों में हस्तक्षेप करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। लिहाजा इस मसले पर विचार कर कारगर निर्णय लेने का कोई कदम विधायिका ही उठा सकती है। अलबत्ता अदालत ने निर्वाचन आयोग को जरूर निर्देश दिया था कि वह चुनावी घोषणा-पत्रों को मर्यादित करने की दृष्टि से अतिवादी व लोक-लुभावन घोषणाओं को रेखांकित करे, जिससे आदर्श चुनाव संहिता का पालन हो सके। इस परिप्रेक्ष्य में दुविधा यह है कि राजनीतिक दलों पर आयोग का अनुशासनात्मक नियंत्रण निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के बाद होता है, जबकि ज्यादातर घोषणा-पत्र इस अधिसूचना के पहले जारी हो जाते हैं और कई वादे तो नेता चुनावी आमसभाओं में आचार संहिता का मखौल उड़ाते हुए भी कर डालते हैं। विडंबना है कि आदर्श निर्वाचन संहिता के तहत न तो कोई दंडात्मक कानून है और न ही इसकी संहिताओं में वैध-अवैध की अवधारणाएं परिभाषित हैं। आयोग यदि संहिता को लागू कर पाता है तो इसलिए कि राजनीतिक दल उसका सहयोग करते हैं और जनमत की भावना आयोग के पक्ष में होती है। तय है दल यदि आयोग के साथ असहयोग करने लग जाए तो आयोग हाथ पर हाथ धरे बैठा रह जाएगा। वैसे भी आयोग की जवाबदेही स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की है, न कि दलों के चुनावी मुद्दे तय करने की? बावजूद आयोग मामले संज्ञान में लेता है और उम्मीदवार को चेतावनी भी देता रहता है। लेकिन उम्मीदवार जानते हैं कि उनकी उम्मीदवारी को तत्काल खारिज करने का कोई अधिकार आयोग के पास नहीं है, इसलिए वे बेपरवाह रहते हैं। इन विरोधाभासी हालातों से शीर्ष न्यायालय परिचित है।प्रलोभन के जिन वादों के मार्फत मतदाता को बरगलाकर दल सत्ता के अधिकारी हुए हैं, उन वादों को घोषणा-पत्र में नहीं रखने का कानून बनाकर अपने ही हाथों से, अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने की गलती क्यों करेंगे? यहां सवाल यह भी उठता है कि दल जो घोषणाएं करते हैं उनका लाभ वर्ग-भेद के बिना जरूरतमंदों को मिलता है।

जातीय अथवा अल्पसंख्यक के आधार पर आरक्षण की घोषणा की जाती है तो इस स्थिति को जातीय अथवा सांप्रदायिक भेद की स्थिति माना जा सकता है! 81 करोड़ लोगों को सस्ता अनाज देने की सुविधा को भरे पेट वाले लोग सरकारी धन का दुरुपयोग मानते हैं। जबकि एक कल्याणकारी राज्य के वंचित तबके के लिए ये सुविधाएं अनिवार्य जरूरत भी हैं। अलबत्ता यह तथ्य जरूर सही है कि प्रलोभन मतदाता की नीयत को प्रभावित करता है और वह व्यापक सामाजिक हित की बजाय व्यक्तिगत हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेने को विवश हो जाता है। जाहिर है, यह एक गंभीर मसला है और न्यायालय इस मुद्दे पर आगे बढ़ रही है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि कोई ऐसा हल जरूर निकले, जो सर्वमान्य होने के साथ लोक कल्याणकारी भी साबित होगा।

(ये लेखक के अपने विचार है)

जागरूक उवाच

'न्यू नॉर्मल' के नाम पर सहज होना चिंता का सबब

मशहूर यूट्यूबर और पॉडकास्टर, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर रणबीर इलाहाबादिया को अपने विवादित टिप्पणी के लिए लगातार आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उनका समय रैना के शो में कहा गया एक सवाल सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हुआ। इंडियाज गॉट लेटेंट शो में प्रतिभागियों से उपस्थित जज सवाल-जवाब करते हैं जो कॉमेडी पर बेस्ड होता है। इस शो में रणबीर ने पेरेंट्स रिलेशन पर विवादित सवाल पूछा था। इस प्रश्न के बाद लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं। निलेश मिश्रा गीतकार ने कहा कि इन लोगों में जिम्मेदारी की कोई भावना नहीं है। इस विवाद के बाद से रणबीर गायब हो गए। पर कल उन्होंने एक पोस्ट द्वारा इस प्रश्न के लिए माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि माता-पिता के बारे में मेरी टिप्पणी असंवेदनशील और अनादरपूर्ण थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर, सृजनात्मक अभिव्यक्ति के नाम पर कुछ भी कह कर या माफी मांग कर बच निकलना वर्तमान में लोगों का प्रिय शगल हो गया है। इसके पूर्व महाराष्ट्र के साइबर विभाग ने संज्ञान लेकर इंडिया गॉट लेटेंट के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। राष्ट्रीय महिला आयोग ने समन जारी कर रणवीर और समय रैना को कोर्ट में पेश होने को कहा है। शिवसेना के सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी संसद की आईटी कमेटी से शिकायत कर इस मामले में एक्शन लेने की मांग की है। बता दें कि इस शो में ज्यादातर बोल्ड कॉमेडी कंटेंट होता है। इसमें रणबीर ने पेरेंट्स के निजी अंतरंग संबंधों पर अश्लील और अनावश्यक सवाल पूछा। इस पर विवाद शुरू हो गया और अनेक जगहों पर लोगों ने इस पर एफआईआर दर्ज कराई। रणवीर का यह विवादित एपिसोड बताता है कि वर्तमान में कॉमेडी के नाम पर जो पेश किया जा रहा है वह किसी भी तरह से हमारी संस्कृति और नैतिकता के अनुरूप नहीं है। माता-पिता के अंतरंग संबंधों के बारे में इस तरह के भद्दी टिप्पणी करना कॉमेडी नहीं है। डार्क ह्यूमर के नाम पर जो कुछ कहा जा रहा है वह कहीं ना कहीं हमारी संस्कृति और युवा पीढ़ी को भ्रष्ट कर रहा है। सोशल मीडिया के आने के बाद हमारे समाज में जिस तरह से खुलापन आया है, वह चौंकाने वाला है। शो में भी बैठे युवा जज जिस तरह हंस रहे थे, वह बता रहा था कि इस पीढ़ी के लिए शालीनता, संस्कार के मायने कुछ नहीं बचे। मैंने कुछ युवाओं से बात की, उन्होंने इसे सामान्य कहा कि उस शो का कॉन्सेप्ट ही ऐसा है। ये शो हम सभी का पसंदीदा है, हमें स्ट्रेस फ्री करता है। दो-चार ने ही स्वीकारा कि ये ज्यादा हो गया। तो देख लीजिए कि न्यू नॉर्मल के नाम पर युवा पीढ़ी किस प्रकार इन्हें सपोर्ट कर रही है। जो भी रील इन प्लेटफार्म पर डाली जाती है या जो वीडियो होते हैं उसमें ज्यादातर अश्लील सामग्री ही होती है। यह बनाने वाले की न कोई पहचान होती है न ही उनसे इस तरह की नैतिकता की बात की जाती है। क्योंकि रणबीर को पीएम मोदी ने 2024 में क्रिएटर अवार्ड से सम्मानित किया था और वे इनफ्लुएंसर हैं तो उन्हें इस बात का भी ध्यान रखना था। इनफ्लुएंसर का अर्थ होता है प्रेरणा देने वाला। अब आप ही देखें कि युवा पीढ़ी क्या और कैसे प्रेरित हो रही है। कॉमेडी के नाम पर अश्लीलता, भद्दी गालियां और कूल दिखने का जो चलन चल रहा है, वह युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत घातक है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लीलता, आपत्तिजनक सामग्री, नस्लवादी टिप्पणी लगातार बढ़ती जा रही है। वर्तमान में विवाद से ही चीजें बिक रही हैं। सोशल मीडिया पर जब भी इस तरह का कोई वीडियो वायरल होता है उसको लाखों व्यूज मिलते हैं और इन व्यूज से इन यूट्यूबर्स को मुनाफा मिलता है। ऐसे में इस तरह की हल्की, अश्लील सामग्री या इस तरह के कंटेंट की भरमार है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में जिम्मेदारी भी बहुत आवश्यक है। अब लोग सिर्फ अभिव्यक्ति की इस आजादी का फायदा उठाकर सोशल मीडिया पर कुछ भी डाल रहे हैं। जब भी कुछ विवाद होता है तो यही कहा जाता है कि अभिव्यक्ति की आजादी सभी को है। इस पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। इस प्रकरण में इस बात को साबित कर दिया है कि वर्तमान में इंटरनेट मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म को विनियमित करने के लिए कानून बनाने की आवश्यकता है। सिर्फ माफी देकर या एक बार गलती हो गई कह छोड़ देने से, या कॉमेडी के नाम पर कुछ भी अभद्र कह आप बच नहीं सकते। हमें सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म को नियमों के दायरे में लेने के लिए बात करनी होगी ताकि भविष्य में इस तरह की कॉमेडी के नाम पर अमर्यादित टिप्पणियां करने का लोग साहस न करें, जो देश की सामाजिक व्यवस्था और नैतिक मूल्यों के अनुरूप न हो।

गलत सोच का चश्मा जल्दी उतार देना चाहिए

संकलित
दर्शन

जब सोच निषेधात्मक या गलत होती है, तब वह सुख को भी दुख में परिवर्तित कर देती है। गलत सोच का चश्मा जितनी जल्दी हो, उतार देना चाहिए। बुरे विचार जितना दूसरों का नुकसान करते हैं, उतना ही स्वयं का भी करते हैं। कारण अपनी ही सुरक्षा को लेकर डरा दिमाग ढंग से नहीं सोच पाता। हम स्वार्थी हो जाते हैं, केवल अपने बारे में ही सोचते हैं। कहा गया है कि आपके विचार वहां तक ले जाते हैं, जहां आप जाना चाहते हैं। पर कमजोर विचारों में दूर तक ले जाने की ताकत नहीं होती। हम जो हैं वह सब विचारों का फल है। जो हम सोचते हैं, वही बन जाते हैं। मनुष्य अपने कार्यों से दूसरों को नुकसान पहुंचाता है और अपने विचारों से स्वयं को। गलत सोच एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों को धनवान और प्रतिष्ठित होते देख आदमी में नकारात्मक चिंतन जागता है। अपनी ईमानदारी उसे मूर्खतापूर्ण लगती है। वह पुनर्चिंतन करता है-क्या मिला मुझे आदर्शों पर चलकर? यह नकारात्मक चिंतन उसे भी गलत सोच के दलदल में उतार देता है। समाज में भ्रष्ट और बेईमान लोगों की उत्पत्ति इसी तरह के गलत विचारों के संक्रमण से हुई। इस तरह का गलत सोच हमारी दुनिया को छोटा कर देता है। भीतर और बाहरी दोनों ही दुनिया सिमट जाती हैं। तब हमारी छोटी-सी सफलता अहंकार बढ़ाने लगती है। थोड़ा-सा दुख अवसाद का कारण बन जाता है। कुल मिलाकर सोच ही गड़बड़ हो जाता है। अपने ही बोले हुए को सुनते रहना ज्यादा सीखने नहीं देता। हमारा चिंतन गुणों की ओर केंद्रित रहना चाहिए।

गौतम ऋषि के तप से प्रकट हुई थीं गंगा

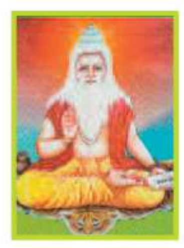

संकलित
प्रेरणा

मान्यता है कि पुराने समय गौतम ऋषि और देवी अहिल्या ब्रह्मगिरी पर्वत पर रहते थे। वर्तमान में ये क्षेत्र नासिक जिले में है। गौतम ऋषि तपस्वी थे, इस कारण उन्हें हर जगह मान-सम्मान मिलता था। इस बात से यहां अन्य साधु-संत गौतम ऋषि के लिए जलन की भावना रखते थे। साधु-संत गौतम ऋषि का अपमान करने का कोई न कोई बहाना खोजते रहते थे। एक दिन जलन की वजह से सभी साधु-संतों ने गौतम ऋषि पर गोहत्या करने का झूठा आरोप लगा दिया। सभी साधु-संतों ने कहा कि इस हत्या के पाप के प्रायश्चित के लिए आपको देवी गंगा को यहां बुलाना होगा। तब गौतम ऋषि ने यहां शिवलिंग स्थापित करके तपस्या करना शुरू की। गौतम ऋषि की भक्ति से प्रसन्न होकर शिव जी और माता पार्वती यहां प्रकट हुए। जब शिव जी ने गौतम ऋषि से वरदान मांगने को कहा तो गौतम जी से वरदान में मांगा कि देव नदी गंगा को यहां भेज दीजिए। ऐसा कहने पर शिव जी की इच्छा से देवी गंगा भी वहां प्रकट हो गईं। गंगा ने कहा कि अगर शिव जी भी यहां रहेंगे, तभी मैं भी यहां रहूंगी। गौतम ऋषि को वरदान देने और देवी गंगा की इच्छा पूरी करने के लिए शिव जी यहां ज्योति रूप में विराजमान हो गए। इसके बाद देव नदी गंगा भी यहां गौतमी नदी के रूप में बहने लगी। गौतमी नदी का एक नाम गोदवरी भी है। इसके बाद गौतम ऋषि पर लगाया गया आरोप झूठा साबित हो गया। साधु-संतों को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने गौतम ऋषि से क्षमा मांगी।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत और अमरीका की यारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमरीका के दौरे से वापस आ गए। दोनों देश दुनिया की बड़ी ताकतें हैं। इन पर दुनिया की निगाहें टिकी रहती हैं और उम्मीद होती है कि दोनों की दोस्ती नया रंग लाएगी, जो सारी दुनिया के लिए लाभदायक होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शायद ऐसे पहले प्रधानमंत्री होंगे, जिन्होंने अपने कार्यकाल में सबसे ज्यादा विदेश यात्राएं की होंगी। इस बात में कोई दोराय भी नहीं है कि मोदी ने विदेशों में भारत की नई पहचान बनाई है। आज दुनिया की सबसे बड़ी दो मुख्य समस्याएं हैं आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन। इन दोनों समस्याओं के समाधान के लिए अमरीका, भारत के साथ खड़ा नहीं दिखता। आतंकवाद के प्रति उसने दोगली नीति अपनाई है। दूसरे, कुछ समय पहले ट्रंप ने पेरिस समझौते से भागने की कोशिश की।

- संजय गुप्ता

दो शक्तियों के बीच का सामंजस्य पुल

वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है, जहां दो महाशक्तियां - भारत और अमेरिका - ज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग का विस्तार कर रही हैं। यह साझेदारी केवल दो देशों के बीच का समझौता नहीं, बल्कि वैश्विक शैक्षिक क्रांति का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत, जिसे प्राचीन काल से 'विश्व गुरु' के रूप में जाना जाता है, और अमेरिका, जो आधुनिक शिक्षा का वैश्विक केंद्र है, अपनी विशिष्ट शक्तियों को एक साथ ला रहे हैं। इस सहयोग की नींव में दोनों देशों की समृद्ध शैक्षिक परंपराएं और नवीन दृष्टिकोण शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा ने भारत-अमेरिका संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ा है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का यह प्रयास भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि "भारत और अमेरिका के बीच शैक्षिक सहयोग केवल दो देशों के बीच का सहयोग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक ज्ञान और नवाचार का एक नया मॉडल है।" वर्तमान में 3 लाख से अधिक भारतीय छात्र अमेरिका में अध्ययनरत हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था में प्रतिवर्ष 8 बिलियन डॉलर का योगदान करते हैं। इस तथ्य को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह आंकड़ा भारतीय प्रतिभा की गुणवत्ता और अमेरिकी शैक्षिक संस्थानों में भारतीय छात्रों की स्वीकार्यता को दर्शाता है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए भारत में एक अनुकूल वातावरण तैयार करने की पहल भारतीय उच्च शिक्षा में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस महत्वपूर्ण पहल पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि यह भारतीय शिक्षा व्यवस्था में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। नई शिक्षा नीति के तहत, विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस स्थापित करने की अनुमति दी गई है, जिसके लिए एक सरलीकृत नियामक ढांचा और एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली की व्यवस्था की गई है। इस नीति के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों को प्रवेश और फीस निर्धारण में पर्याप्त स्वायत्तता दी गई है, साथ ही अकादमिक और प्रशासनिक स्वतंत्रता का भी आश्वासन दिया गया है। पाठ्यक्र म और अनुसंधान के क्षेत्र में, विश्वविद्यालयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पाठ्यक्र मों को अपनाने की स्वतंत्रता होगी, साथ ही वे भारतीय परिवेश के अनुरूप इन पाठ्यक्र मों में आवश्यक समायोजन भी कर सकेंगे। संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और नवीन शिक्षण पद्धतियों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं, डिजिटल और भौतिक संसाधनों का एकीकरण, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, और छात्र सुविधाओं का विकास शामिल है। वित्तीय पहलुओं पर भी गंभीरता से विचार किया गया है, जिसमें निवेश के लिए अनुकूल नीतियां, कर लाभ और प्रोत्साहन, वित्तीय स्वायत्तता, और लाभ के पुनर्निवेश की अनुमति जैसे प्रावधान शामिल हैं।

- कुमकुम मिश्रा, स्वतंत्र पत्रकार

करंट अफेयर

संयुक्त राष्ट्र के लिए हिंदी अत्यंत महत्वपूर्ण भाषा

संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि 60 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली हिंदी इस वैश्विक संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भाषा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने बृहस्पतिवार को अपने परिसर में 'बहुभाषावाद और विदेशों में हिंदी का प्रचार' थीम पर आधारित विश्व हिंदी दिवस मनाया। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि भारत का समाज बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक ताने-बाने से बना है। वह इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में शामिल हुई थीं। 'मिशन' द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ठाकुर ने बताया कि हिंदी को अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए कई पहल की जा रही हैं और संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसकी महत्ता को स्वीकार किए जाने से यह एक वैश्विक भाषा बनेगी। संयुक्त राष्ट्र में 'ग्लोबल कम्युनिकेशंस' की अवर महासचिव मेलिसा फ्लेमिंग ने कहा कि हिंदी 60 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जाती है और यह संयुक्त राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भाषा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने बताया कि हिंदी को अब संयुक्त राष्ट्र की अनौपचारिक भाषाओं की सूची में जोड़ा गया है।

ऑफ बीट

क्या अवसाद रोधी दवाएं छोड़ना ज्यादा मुश्किल

एसएसआरआई दवाओं को छोड़ना वाकई मुश्किल हो सकता है। इनके सेवन से कुछ लोग "एसएसआरआई का सेवन रोकने के सिंड्रोम" से पीड़ित हो जाते हैं। इस सिंड्रोम से पीड़ित लोगों में चक्कर आने, जी मिचलाने, सिरदर्द और थकान समेत फ्लू-जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ज्यादातर मामलों में, लक्षण हल्के होते हैं और कुछ समय में खत्म हो जाते हैं। अवसाद रोधी दवाओं से छुटकारा पाने का प्रयास कर रहे लोग, जो इस प्रकार के लक्षण अनुभव करते हैं, कभी-कभी यह मान लेते हैं कि उनका अवसाद पुनः लौट आया है, और वे पुनः अवसाद रोधी गोलियों का सेवन शुरू कर देते हैं। लोग अवसाद की वापसी और एसएसआरआई का सेवन रोकने के बीच अंतर नहीं कर पाते। इसके कारण लोग अवसाद रोधी दवा लेना जारी रख सकते हैं, भले ही उन्हें इसकी आवश्यकता न हो। अवसाद रोधी दवाओं में 'पैरोक्सेटीन' और 'फ्लूवोक्सामाइन' शामिल हैं, जो लगभग सात प्रतिशत लोगों में दवाएं न छोड़ने के सिंड्रोम का कारण बनती हैं। लंबे समय तक चलने वाली अवसाद रोधी दवाओं 'सेर्ट्रालाइन' और 'फ्लूओक्सेटीन' की वजह से केवल दो प्रतिशत लोग सिंड्रोम से पीड़ित होते हैं।

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 19/02/2025

सूर्योदय : 07:03 **सूर्यास्त** : 18:17 **चन्द्रोदय** : 24:24 **चन्द्रास्त** : 10:28 **शक सम्वत** : 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना** : माघ **पूर्णिमांत** : फाल्गुन **सूर्य राशि** : कुम्भ **चन्द्र राशिः** तुला **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : षष्ठी, 07:32 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : वसन्त **द्रिक अयन** : उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : स्वाति, 10:32 तक
योग : वृद्धि, 10:43 तक
प्रथम करण : वणिजा, 07:32 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 20:46 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:14 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:40 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:28 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:12 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:14 पी एम से
अमृत काल	3:40 ए एम, फरवरी 20 से
निशिता मुहूर्त	12:9 ए एम, फरवरी 20 से
रवि योग	06:56 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : गुरू
भद्रावास : पाताल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 07:02 - 08:27	उद्वेग : 18:16 - 19:52
अमृत	: 08:27 - 09:51	शुभ : 19:52 - 21:28
काल काल वेला	: 09:51 - 11:15	अमृत : 21:28 - 23:03
शुभ	: 11:15 - 12:39	चर : 23:03 - 00:39
रोग वार वेला	: 12:39 - 14:04	रोग : 00:39 - 02:15
उद्वेग	: 14:04 - 15:28	काल : 02:15 - 03:50
चर	: 15:28 - 16:52	लाभ : 03:50 - 05:26
लाभ	: 16:52 - 18:16	उद्वेग : 05:26 - 07:02

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज षष्ठी

आज कौन सा कार्य करें

यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, कृष्ण, षष्ठी, 2081 बुधवार, 19 फरवरी - 25 फरवरी, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

भरतपुर व डीग जिले के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में बोले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा...

भौगोलिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक परिस्थिति अनुरूप जनता को दें लाभ

भरतपुर व डीग जिले का चहुंमुखी विकास कर रही राज्य सरकार

आमजन की सुविधाओं को विस्तार देने वाले विकास कार्यों की करें निरंतर मॉनिटरिंग

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों के रोडमैप के जरिए भरतपुर व डीग जिले का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस क्षेत्र की भौगोलिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप आधारभूत विकास परियोजनाओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करते हुए आमजन को लाभान्वित करें। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर व डीग जिले के विकास कार्यों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क, ऊर्जा, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, स्वायत्त शासन, राजस्व, पर्यटन, वन सहित विभिन्न विभाग आमजन की सुविधाओं को विस्तार देने वाले विकास कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें।

मजबूत सड़क तंत्र से सुगम आवागमन होगा सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भरतपुर व डीग जिले में आमजन के सुगम आवागमन के लिए मजबूत सड़क तंत्र को विकसित किया जाए। इसके लिए आवश्यकतानुसार कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जल संसाधन विभाग द्वारा दोनों जिलों में दशकों पुराने नहरों, बांधों, डिग्गियों का समय-समय पर मरम्मत कार्य किया जाए। जिससे आमजन सहित किसानों को भी इनका पूरा लाभ मिल सके।

आधारभूत विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ करें पूरा

शर्मा ने ऊर्जा विभाग को निर्देशित किया कि भरतपुर एवं डीग जिले में बड़ी आबादी को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रगतिरत विकास कार्यों को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने स्वायत्त शासन विभाग को निर्देशित किया कि शहरी आबादी के लिए सड़क, बिजली, पानी, साफ-सफाई, सीवरेज जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित कार्यों को गुणवत्ता से पूरा करें तथा इनकी निरंतर मॉनिटरिंग भी की जाए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि भरतपुर व डीग जिले में आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यकता के अनुरूप संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिए कि भरतपुर व डीग में सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के सौन्दर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि देवस्थान विभाग भरतपुर के प्राचीनतम मंदिरों का कार्ययोजना बनाकर सुनियोजित रख-रखाव करे।
इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास वैभव गालरिया सहित विभिन्न विभागों के शासन सचिव एवं जिला कलक्टर भरतपुर डॉ. अमित यादव, जिला कलक्टर डीग उत्सव कौशल उपस्थित रहे।

आईफा के आयोजन से प्रदेश में पर्यटन के नये आयाम खुलेगें -दीया कुमारी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। आईफा अवार्ड- 2025 के आयोजन से प्रदेश के पर्यटन की नई पहचान स्थापित होगी। प्रदेश के नये पर्यटन स्थलों को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी। पारम्परिक क्षेत्रों के साथ नये क्षेत्रों में भी पर्यटन को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नये अवसर सृजित होगे ओर सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी। यह बात शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाईन्स स्थित कार्यालय पर पत्रकारों के लिए आयोजित स्नेह भोज में कही। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आईफा की तरह बड़े आयोजन प्रदेश में आयोजित करवायें जायेगें ताकी प्रदेश के पर्यटन में बढोत्तरी हो और प्रदेश को अधिक से अधिक राजस्व प्राप्त हों। इस दौरान उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स से जुड़े पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं की जानकारी आम जनता तक सही तरीके से पहुचाने में मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। इस दोरान उन्होंने पत्रकारों से बजट सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और उनके सुझाव लिए। उन्होंने पत्रकारों की समस्यायें भी सुनी और उनके सकारात्मक समाधान का आश्वासन भी दिया।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड विधिक बाधाओं का निस्तारण करे-कर्नल राठौड़

सूचना सहायक भर्ती परीक्षा 2023

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के निर्देश पर विभाग की शासन सचिव अर्चना सिंह ने सूचना सहायक भर्ती परीक्षा 2023 के अंतर्गत 3415 अभ्यर्थियों की नियुक्ति के संबंध में दस्तावेज सत्यापन पश्चात किए जा रहे कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष के साथ बैठक कर जोर दिया कि विधिक बाधाओं को दूर करने के हरसंभव प्रयास किए जाएं और पैरवी तुरंत प्रभाव से करें, क्योंकि देरी की वजह से प्रदेश के अभियार्थियों एवं विभाग का नुकसान हो रहा है। बैठक में बताया गया कि उच्च न्यायालय द्वारा भर्ती के अंतिम परिणाम जारी किए जाने पर रोक लगाई गई है। यह प्रकरण परीक्षा के प्रश्न से संबंधित है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के साथ समन्वय कर याचिका के शीघ्र निस्तारण के प्रयास किए जाएं।

बैठक में जानकारी दी गई कि विभाग द्वारा सभी उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं दिव्यांग श्रेणी के प्रमाणपत्र को पृथक से स्केन कर प्रमाणीकरण हेतु संबंधित संघों/बोर्ड को प्रेषित किया जा चुका है। साथ ही सभी अभ्यर्थियों के शैक्षणिक दस्तावेज भी पृथक से स्केन कर प्रमाणीकरण हेतु संबंधित विश्वविद्यालयों को प्रेषित किए जा रहे हैं, जिनमें से कुछ के प्रत्युत्तर विभाग को प्राप्त हो चुके हैं। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि सूचना सहायक भर्ती परीक्षा-2023 की विचारित सूची में विशेष योग्यजन वर्ग में चयनित अभ्यर्थियों की निशक्तता की जांच हेतु कार्यालय चिकित्सा अधीक्षक सवाई मानसिंह चिकित्सालय, जयपुर द्वारा मेडिकल बोर्ड का गठन किया जा चुका है। 17 फरवरी से 7 मार्च, 2025 तक निशक्तजन प्रमाणपत्र की जांच मेडिकल बोर्ड से किए जाने हेतु आदेश जारी हो चुके है।

शासन सचिव एवं आयुक्त ने निर्देश दिए कि प्रमाण पत्रों की जांच हेतु विश्वविद्यालयों, संस्थाओं एवं खेल संघों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर प्रमाणीकरण का कार्य शीघ्र करवाने का प्रयास किए जाए, जिससे अभ्यर्थियों को शीघ्र नियुक्ति दी जा सके।

एन. के. पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह सम्पन्न

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। आर्य नगर, मुरलीपुरा स्थित एन. के. पब्लिक स्कूल में कक्षा-12वीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह की मेजबानी 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने की। विदाई समारोह में रंगारंग प्रस्तुतियाँ, संगीत, नृत्य और हास्य का भरपूर आनंद लिया गया। 12वीं के विद्यार्थियों ने रैंप वॉक में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें दस विभिन्न टाइटल देकर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मिस्टर और मिस एन. के. पीएस का खिताब निकुंज निर्मल (12वीं विज्ञान) व कुमकुम शर्मा (12वीं विज्ञान) ने जीता। अन्य खिताब जीतने वालों में शामिल रहे। मिस्टर हैंडसम गौरव चतुर्वेदी (12वीं वाणिज्य), मिस ब्यूटीफुल आकांषा झरवाल (12वीं विज्ञान), बेस्ट डांसर छवि खण्डेलवाल (12वीं विज्ञान), बेस्ट रैंप वॉक (बॉय) मोहम्मद साहिब, (गर्ल) अविका सैनी, बेस्ट गेम प्लेयर आयुषी खण्डेलवाल रही। समारोह के दौरान सभी विद्यार्थी आनंद से सराबोर नजर आए।

प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुनायच ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के यह विद्यार्थी कल का सुनहरा भविष्य है इसलिए जीवन में कठिन परिश्रम व तनाव मुक्त रह कर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के निदेशक कुलदीप सिंह ने विद्यार्थियों को अपने स्कूल के दिनों की अच्छी यादों को संजोने और मित्रता के बंधन को पोषित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या चित्रा राजे बसेरा ने सभी विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी। व साथ ही सभी छात्र छात्राओं को बोर्ड परीक्षाओं में अच्छी मेहनत करने को प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सलाहकार वी. एन. त्रिवेदी, समन्वयक डॉ. नाहिद खान एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

राजनगर व कांकरोली थाने में बाल संरक्षण संबंधित विषयों पर हुआ आमुखीकरण

राजसमंद @ जागरूक जनता। उदयपुर रेंज पुलिस द्वारा रेंज स्तर पर संचालित पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन कार्यक्रम अर्न्तगत राजसमंद पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजत विश्नोई के मार्गदर्शन में राजनगर एवं कांकरोली थाने में बाल संरक्षण संबंधित विषयों पर थाना स्तरीय आमुखीकरण कार्यर् म का आयोंजन किया गया। राजनगर में थानाधिकारी विजेन्द्र सिंह ने बताया कि आज के दौर में साइबर क्राइम सबसे बड़ी समस्या है जिसस सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी शिकार होकर प्रभावित हो रही है। हम सभी को विद्यालयों में वत्सल वार्ताओं एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरित व जागरूक करने की जरूरत है। कार्यक्रम में संबंधित पुलिस थानों के पुलिस अधिकारियों सहित थाने पर चयनित पुलिस मित्र ग्राम रक्षक तथा सुरक्षा सखियों ने भाग लिया। इन थाना स्तरीय आमुखीकरण में बाल संरक्षण विशेषज्ञों ने बाल संरक्षण संबंधित विषय बाल मित्र पुलिस व्यवस्थाओं तथा बाल संरक्षण से संबंधित समुदाय स्तरीय विषयों पर आमुखीकरण उपलब्ध कराया। इधर कांकरोली थाने में आयोजित आमुखीकरण कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में थाना स्तर पर बाल मित्र पुलिस प्रक्रियाओं और समुदाय में बाल संरक्षण में उनकी भूमिका के संबंध में चर्चा की गई।

राजस्थान अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ाः अधिक मिठास के बावजूद किसानों की पसंद नहीं बन पा रहा मधुमक्खीपालन

प्रदेश में हनी-बी व्यवसाय को भी मिले मिठास

बोर्ड स्थापना पर केन्द्र सरकार से मिलता है शत-प्रतिशत अनुदान

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। शहद तगड़ा इम्यूनिटी बूस्टर है। इसकी डिमांड लगातार बढ़ रही है। किसी दौर में मधुमक्खियों के नैचुरल छत्तों को तोडकर घंटों के इंतजार के बाद उनका शहद जुटाया जाता था। जंगली इलाकों में रहने वाले जनजातीय लोग यह काम करते थे। अब शहद जुटाने का काम मधुमक्खी पालन के जरिए बखूबी किया जा रहा है। प्रदेश में मैदानी फसल के साथ-साथ सब्जी, मसाला, पुष्प फसल का बड़ा क्षेत्रफल होने के बावजूद भी शहद उत्पादन में राजस्थान बिहार जैसे राज्य से पिछड़ा हुआ है। बिहार सरकार अपने किसानों को इस पर 80 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है। हालांकि, प्रदेश में मिठास का दायरा लगातार बढ़ रहा है। गौरतलब है कि मधुमक्खीपालन साथ-साथ इस पर शोध और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने भरतपुर और टोंक जिले में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हनी-बी स्थापना का काम शुरू कर दिया है। देश में कुल शहद उत्पादन में राजस्थान की भागीदारी 10 फीसदी के आसपास है। जबकि, बिहार की भागादारी साढे 12 प्रतिशत से अधिक है। वहीं, पंजाब 13.89 फीसदी के साथ देश में प्रथम है। उन्होंने बताया कि मधुमक्खीपालन के लिए केन्द्र सरकार की एमआईडीएच योजना के तहत हनी कॉलोनी स्थापना और बॉक्स पर अनुदान दिया जाता है। गौरतलब है कि प्रदेश में सरसों का औसत बुवाई क्षेत्र काफी बढ़ चुका है। यह स्थिति मधुमक्खीपालन करने वाले किसानों और युवाओं के लिए लाभकारी है। उल्लेखनीय है कि मधुमक्खियों से शहद और परागण के अलावा मेडिसिन महत्व के उत्पादों पर वैज्ञानिक अनुसंधान की आवश्यकता है। लगभग 90 प्रतिशत फसलों में मधुमक्खी द्वारा लाये गये परागणों से ही फल और बीज बनते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि मधुमक्खियों की संख्या की कमी के कारण लगभग 8 से 10 हजार रूपये प्रति हैक्टयर नुकसान हो सकता है।

मस्टर्ड हनी की विदेशों में है डिमांड

सरसों की फसल से प्राप्त मकरंद और पराग से बने शहद की विदेशों में बहुत मांग रहती है, क्योंकि वहां ब्रेड पर मक्खन के स्थान पर शहद लगाकर खाने का प्रचलन है। विशेषज्ञों के मुताबिक मस्टर्ड हनी में पौष्टिक तत्वों की भरमार होती है। इसमें ग्लूकोज की मात्रा 34 और फ्रक्टोज की मात्रा 38 फीसदी होती है। इसके अलावा इसमें सुक्रोज की मात्रा भी एक से 1.5 फीसदी तक होती है। इसलिए यहां के शहद को बहुत अधिक पंसद किया जाता है। यही कारण है कि सरसों फसल के सीजन के दौरान जमा किए गए शहद को खरीदने की चाहत देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों को रहती है।

इन जिलों में अग्रणी मधुमक्खीपालन

उद्यान निदेशालय की एक विभागीय रिपोर्ट पर गौर करें तो अलवर, भरतपुर, श्रीगंगानगर, टोंक, जोधपुर, सवाईमाधोपुर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चुरू, बारां, झालावाड़ आदि जिलें शहद उत्पादन में अग्रणी है। क्योंकि, इन जिलों में सरसों के साथ-साथ तारामीरा, सब्जी और फलों की खेती किसान कर रहे है।

इन राज्यों से रुख करते हैं हनी बी पालक

देश में सरसों की सर्वाधिक बुवाई राजस्थान में होने के चलते पड़ौसी राज्य पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के बी-पालक भी यहां आकर सरसों की फसल में बी-कॉलोनी स्थापित करते है। वहीं, सकल शहद उत्पादन में भी सरसों फसल से तैयार शहद का प्रतिशत ज्यादा है। फसल विविधता की बात करे तो यहां मसाला फसलों पर भी शहद का उत्पादन लिया रहा है। गौरतलब है कि अजवाइन फसल पर तैयार होने वाला शहद बाजार में ऊंचे दामों पर बिक्री होता है।

100 प्रतिशत अनुदान

कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा लागत का शत प्रतिशत अनुदान देय है। ऐसे में सरकार पर बोर्ड स्थापना से कोई वित्तीय भार नहीं आयेगा।

ऐसे तैयार होता है शहद

मधुमक्खियां व्यापारियों के लिए शहद के रूप में सोना उगल रही हैं। बाहर से आए श्रमिक रामहेत ने बताया बहुत मेहनत है। लकड़ी के ये बॉक्स पहले तैयार कराए जाते हैं। बक्से दो बाई तीन के हैं। इनमें मोम शीट वाली 7-8 स्लाइड लगाई जाती हैं। इन बक्सों को खेत के किनारे खुली जमीन पर निश्चित दूरी पर रख दिया जाता है। बक्सों में मधुमक्खियां स्लाइड पर आती हैं। हर बक्से में एक रानी मक्खी होती है और बाकी श्रमिक मक्खियां। शहद जुटाने का काम श्रमिक मक्खियां ही करती हैं। ये मक्खियां मोम की शीट पर सेल तैयार करती हैं। इन्हीं सेल में वे फूल और फसल से रस चूसकर शहद इका करती हैं। इस प्रक्रिया में चार से पांच महीने का वक्त लग जाता है। मोम की स्लाइड एक तरह से मधुमक्खी का एक छत्ता बन जाता है। शहद से भरी स्लाइड्स को मशीन के फेम में फिट किया जाता है। फिर चकरी को 20 किमी/घंटे की स्पीड से 30 सेकेंड के लिए घुमाया जाता है। इससे स्लाइड से शहद छिटक कर ड्रम के सहारे बाल्टी में एकत्र होता है।

सप्ताहभर में हनी तैयार

मधुमक्खी रोज सुबह अपनी कॉलोनी से निकलकर तीन किलोमीटर के रेडियंस में रहकर फूलों से रस लेते हैं और वापस अपने बॉक्स में आ जाते हैं। सरसों खेती के समय सबसे ज्यादा हनी मिलता है। उस समय सीजन टाइम होने के कारण 7-10 दिन में ही एक बॉक्स हनी से भर जाता है। एक बॉक्स से लगभग एवरेज साल भर का 35 से 40 किलो हनी मिल जाता है। सरसों की खेती के समय लगभग पांच से छह बार हार्वेस्ट हो जाता है। केन्द्र सरकार के आंकड़ो के अनुसार देश में 19.34 लाख से ज्यादा हनी बी कॉलोनी स्थापित हो चुकी है। करीब 83 देशों में शहर का निर्यात किया जा रहा है।

देश में राजस्थान की भागीदार

राज्य	प्रतिशत	राज्य	प्रतिशत
उत्तरप्रदेश	17.64	पंजाब	13.89
बिहार	12.61	राजस्थान	9.38

घने जंगलों में वर्षभर उत्पादन

मेवाड़ में राजस्थान के सबसे समृद्ध जंगल है। यहां कई प्रकार के जीवों का प्राकृतिक आवास है तो भिन्न भिन्न प्रजातियों के पेड़ पौधे हैं। ऐसे में यहां मधुमक्खी पालन की प्रचूर संभावनाएं हैं। भांति-भांति के फूलों से परागण की क्रिया के कारण इन जंगलों का शहद बेहद गुणवत्ता पूर्ण होता है। लेकिन इसके लिए उन्नत और वैज्ञानिक तकनीक अपनाए जाने की आवश्यकता है। परपरागत तरीके से लोग मधु मक्खियोंको मारकर तथा उनके छत्तों को नष्ट करके शहद निकालते हैं। जो ठीक तरीका नहीं है। इसके लिए ग्रामीणों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। व्यवस्थित व वैज्ञानिक तरीके से शहद निकाला जाए तो इसका उत्पादन बढ़ सकता है और बेहतर पैकेजिंग के साथ बाजार में लाया जाए तो दाम भी बेहतर मिल सकते हैं।

जागरूक खबरें

राजस्थान के 20 जिलों में खुलेंगे एग्रो क्लिनिक

जयपुर @ जागरूक जनता। किसानों के लिये राहत की खबर है, पहली बार जिला मुख्यालय पर फसलों एवं बगीचों के लिये एग्रो क्लिनिक खोला जायेगा। कृषि विभाग के सूत्रों ने बताया कि शुरुआती चरण में 20 जिलों में बनाये जाने वाले एग्रो क्लिनिक के लिये जगह का चयन करने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। आमतौर पर फसलों में होने वाले कीट रोगों के कारण अक्सर किसानों को नुकसान हो जाता है। फिलहाल यह सुविधा केवल जयपुर और जोधपुर जिले में ही उपलब्ध है।

जन आधार जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अतिरिक्त जिला जन आधार योजना अधिकारी एवं उपनिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी, चित्तोड़गढ़ शबनम खोरवाल की अध्यक्षता में जन आधार जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में आमजन को होने वाली समस्याओं का ब्लॉक स्तर पर ही त्वरित समाधान करने, प्रथम एवं द्वितीय स्तर पर लम्बित सत्यापन को संबंधित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी से निश्चित समयावधि में सत्यापित करने एवं जन आधार में हुए नवीन अद्यतनों से ब्लॉक स्तर के सभी ई मित्र कियोस्क को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु निर्देशित किया।

जोधपुर रेल मंडल

पर भगत की कोठी यार्ड में तकनीकी कार्य के लिए नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक लिए जाने के कारण यातायात रहेगा प्रभावित

22 से 26 फरवरी के बीच 46 ट्रेनें रहेंगी रद्द

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जोधपुर। जोधपुर रेल मंडल पर भगत की कोठी यार्ड में तकनीकी कार्य के लिए नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक लिए जाने के कारण 22 से 26 फरवरी के बीच 46 प्रमुख ट्रेनें रद्द रहेंगी। जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 22483-84 जोधपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस जोधपुर से 22 व 24 तथा गांधीधाम से 23 व 25 फरवरी, गाड़ी संख्या 14807-08 जोधपुर-दादर एक्सप्रेस जोधपुर से 23 व 25 तथा दादर से 24 व 26 फरवरी, गाड़ी संख्या 20483-84 भगत की कोठी-दादर एक्सप्रेस भगत की कोठी से 24 तथा दादर से 25 फरवरी, गाड़ी संख्या 20489-90 बाड़मेर-मथुरा एक्सप्रेस बाड़मेर से 22 व 23 तथा मथुरा से 23 व 24 फरवरी को रद्द रहेगी।

भगत की कोठी-भीलड़ी डेमो 23 व 24 तक रद्द

गाड़ी संख्या 12465-66 इंदौर-जोधपुर रणथंभौर सुपरफास्ट इंदौर से 24 व 25 तथा जोधपुर से 22 व 23 फरवरी, गाड़ी संख्या 54825-26 जोधपुर-बिलाड़ा एक्सप्रेस जोधपुर से 22 से 24 तथा बिलाड़ा से 23 से 25, गाड़ी संख्या 54813-14 जोधपुर-बाड़मेर एक्सप्रेस जोधपुर से 23 से 25 तथा बाड़मेर से 22 से 24 फरवरी, गाड़ी संख्या 74841-42 भगत की कोठी-भीलड़ी डेमो 23 व 24 फरवरी तक रद्द रहेगी।

जोधपुर-इंदौर 23 व 24 को रद्द

गाड़ी संख्या 74843-44 जैसलमेर-भगत की कोठी डेमो जैसलमेर से 23 से 25 फरवरी तथा भगत की कोठी से 22 से 24 फरवरी, गाड़ी संया 20485-86 जोधपुर-साबरमती सुपरफास्ट जोधपुर से 23 से 25 तथा साबरमती से 25 से 27 फरवरी, गाड़ी संख्या 20492-91 साबरमती-जैसलमेर सुपरफास्ट साबरमती से 23 से 25 तथा जैसलमेर से 24 से 26 फरवरी, गाड़ी संख्या 14801-02 जोधपुर-इंदौर एक्सप्रेस जोधपुर व इंदौर से 23 व 24 फरवरी को रद्द रहेगी।

जम्मूतवी : भगत की कोठी से 24-25 को रद्द

गाड़ी संख्या 14895-96 भगत की कोठी-बाड़मेर एक्सप्रेस भगत की कोठी व बाड़मेर से 23 से 25 फरवरी, गाड़ी संख्या 14893-94 भगत की कोठी-पालनपुर एक्सप्रेस भगत की कोठी से 22 से 24 तथा पालनपुर से 23 से 25 फरवरी, गाड़ी संख्या 74839-40 भगत की कोठी-बाड़मेर डेमो भगत की कोठी से 22 से 25 तथा बाड़मेर से 23 से 26 फरवरी, गाड़ी संख्या 14823-24 जोधपुर-रेवाड़ी एक्सप्रेस जोधपुर से 24 व 25 तथा रेवाड़ी से 25 व 26 फरवरी को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 14891-92 जोधपुर-हिसार एक्सप्रेस जोधपुर से 24 व 25 तथा हिसार से 25 व 26 फरवरी, गाड़ी संख्या 14821-22 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस जोधपुर से 22 से 25 तथा साबरमती से 23 से 26 फरवरी, गाड़ी संख्या 19226-25 जमूतवी-भगत की कोठी एक्सप्रेस जमूतवी से 22 व 23 तथा भगत की कोठी से 24 व 25 फरवरी, गाड़ी संख्या 22481-82 जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट जोधपुर से 24 तथा दिल्ली सराय रोहिल्ला से 25 फरवरी को एक ट्रिप रद्द रहेगी।

वन्दे भारत सहित छह ट्रेनें एक ट्रिप के लिए रद्द

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12461-62 जोधपुर-साबरमती वन्दे भारत सुपरफास्ट 24 फरवरी को एक ट्रिप रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 22977-78 जयपुर-जोधपुर सुपरफास्ट आवागमन में 24 फरवरी और गाड़ी संख्या 14813-14 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस जोधपुर से 24 व भोपाल से 25 फरवरी को एक ट्रिप के लिए रद्द रहेगी।

नवनिर्मित मंदिर में शिव, श्रीरामजी मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

शिवपुरा-खंडवा(मप्र)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की तहसील हरसूद के गांव काशीपुरा में भगवान भोलेबाबा के मंदिर का निर्माण कार्य करवाया गया। मंदिर में भगवान भोले बाबा और भगवान श्रीराम की प्रतिमा स्थापित की गई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजक शिव सेवा समिति काशीपुरा के संचालक भंवरसिंह गुर्जर ने बताया कि नवनिर्मित काशीश्वर महादेव मंदिर तीन दिवसीय मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गया जिसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत बीते 8 फरवरी को दशाविधि स्नान, पंचांग पूजन, जलाधिवाश व अन्नाधिवास कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं हनुमान मंदिर से भगवान शिव एवं श्रीराम की नगर में शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में सजधजी महिलाओं ने भाग लिया। इसी प्रकार 9 फरवरी को मंडल आवाहन पूजन, घृताधिवास, मिष्ठान्नाधिवास, पुष्पाधिवास, फलाधिवास, औषधिवास, सहस्रधारा, महाभिषेक आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कार्यक्रम के अंतिम दिन 10 फरवरी को मंडल पूजन, भगवान शिव एवं श्रीराम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति के साथ आरती की गई। इसके बाद विशाल भंडारा आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजनों ने प्रसादी ग्रहण की।

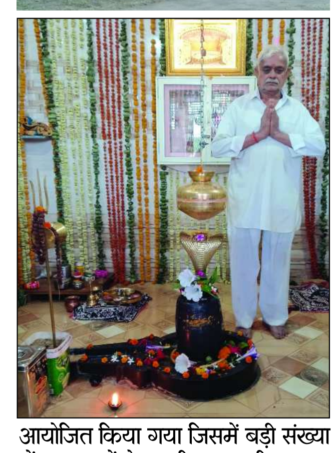

भेला गांव में चतुर्मुख पशुपतिनाथ का शिवरात्रि पर होगा महाभिषेक

शिवनी-बनापुर, (मप्र) @ जागरूक जनता। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवनी बनापुर के पास गांव भेला में प्राचीन चतुर्मुखी पशुपतिनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंदिर सर्वाकार एवं पुजारी साध्वी ममता गिरि गोस्वामी ने बताया कि मां नर्मदा के तट पर प्राचीन पशुपतिनाथ मंदिर में स्वयंभू चतुर्मुखी प्रतिमा है जो स्वतः ही प्रकट हुई थी। यहां बड़ी संख्या में लोग भगवान भोले के दर्शन और अभिषेक करने आते हैं। शिवरात्रि पर्व पर यहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पूजन आरती, प्रसाद एवं फलाहार वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर सुन्दर कांड, ज्ञान माला, सत्संग समागम कार्यक्रम होंगे। मंदिर संचालक साध्वी ममता गिरि ने बताया कि इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भोले का चारपहर अभिषेक व सहस्रार्जन किया जाएगा। साथ ही शिव आराधना सेवा मंडल द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा।

छोटे व्यापारी भी मालगाड़ी से भेज सकेंगे सामान

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे ले छोटे व्यापारियों को राहत दी है। रेलवे ने मालगाड़ी से सामान भेजने की अपनी नीतियों में कुछ बदलाव किए हैं। इस बदलाव से छोटे एवं मझोले व्यापारियों को फायदा होगा। अब छोटे व्यापारी कम मात्रा एवं वजन का सामान भी मालगाड़ी में भेज सकेंगे। आपको बता दें कि पहले व्यापारी रेलवे के पार्सल वैन की ओर से ही भेज सकते थे। मालगाड़ी के डिब्बों से भेजने के लिए पूरी गाड़ी को किराए पर लेना होता था।

दवाईयां, दुग्ध उत्पाद, मसाले, कपड़े मालगाड़ी में जायेंगे

रेलवे बोर्ड ने माल लदान नीति में बदलाव किए हैं। अब सीमेंट, कोयला, खाद्यान्नों आदि बड़े समानों के साथ-साथ अन्य सामान जैसे दवाइयां, दुग्ध उत्पाद, मसाले, कपड़े, बिजली के उपकरण आदि छोटे मद भी बीसीएन (बोगी कवर्ड वैगन) मालगाड़ी से परिवहन किए जा सकेंगे। इससे छोटे व्यापारियों को लाभ होगा एवं रेलवे को राजस्व भी बढ़ेगा। रेलवे बोर्ड ने यह आदेश एक वर्ष के लिए जारी किए हैं, तथा इसकी समीक्षा कर इसे आगे जारी रखा जाएगा।

पार्सल वैन की तरह दरें निर्धारित

इसके लिए परिवहन किए जाने वाले सामानों की सूची निर्धारित की गई है। इन मदों का माल भाड़ा मालगाड़ी में भी पार्सल वैन की तरह पार्सल दरों पर ही निर्धारित किया गया है। व्यापारी को एक वैगन में कम से कम न्यूनतम वजन 14 टन या वास्तविक वजन का शुल्क लिया जाएगा। इस तरह बुक किए गए सामानों में मालगाड़ी के डिब्बों की संख्या भी 42 के स्थान पर न्यूनतम संख्या भी 30 निर्धारित की गई है। साथ ही साधारण मालगाड़ी में भी जगह होने पर इस तरह के सामान लदे हुए वैगन जोड़े जा सकेंगे।

मनोहर लाल कुमावत को स्टोर अधिकारी पद पर पदोन्नत होने पर किया अभिनंदन

◆ जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्विद्यालय जयपुर मे मनोहर लाल कुमावत को स्टोर अधिकारी पद पर पदोन्नत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, संयुक्त निदेशक जे.पी. शर्मा, उपनिदेशक चंद्र शेखर शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी नरेश कुमार गुप्ता एवं मोहन लाल मीणा ने शुभकामनाएं दी एवं संस्थान के सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने साफा एवं फूलमाला पहनाकर मनोहर लाल कुमावत का अभिनंदन किया।

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रनवे की होगी री-कारपेटिंग

30 मार्च से 90 दिन सुबह 9.30 से शाम 6 बजे तक फ्लाइट नहीं

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 30 मार्च से रनवे की री-कारपेटिंग कार्य समेत कई तकनीकी कार्य शुरू होंगे। ये तीन महीने तक चलेंगे। इस दौरान यहां फ्लाइट्स के ऑपरेशन प्रभावित होंगे। एयरपोर्ट पर रनवे के मेंटीनेंस, नए एप्रन निर्माण और नया लिंक टैक्सी-वे बनाने का काम शुरू होगा। दरअसल, जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रीभार में वृद्धि हो रही है। साथ ही, फ्लाइट्स संख्या भी सालाना बढ़ रही है। यह देखते हुए एयरपोर्ट प्रबंधन ने यात्री सुविधाओं में विस्तार के साथ ही सुरक्षा और परिचालन की दक्षता को बढ़ाने का भी निर्णय किया है।

रनवे की री-कारपेटिंग का काम तीन माह चलेगा

इसके तहत अगले महीने से एयरपोर्ट के 3.5 किलोमीटर रनवे की री-कारपेटिंग का काम शुरू होगा। यह तीन महीने तक चलेगा। यह काम रोजाना सुबह 9.30 से शाम 6 बजे तक होगा। इसमें रनवे की सतह को फिर से बनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इससे 15 से 20 फीसदी तक फ्लाइट्स का संचालन प्रभावित रहेगा क्योंकि ज्यादातर डोमेस्टिक फ्लाइट की आवाजाही सुबह 6 से 10 बजे तक व शाम को 6 से रात 11 बजे तक होती है। ऐसे ही ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स भी देर रात से अलसुबह तक ही आती हैं। कुछ फ्लाइट्स कैंसल भी होंगी। हालांकि एयरलाइन कंपनियों ने अभी इसके बारे में कोई सूचना जारी नहीं की है।

यात्रियों के लिए सलाह

» यात्रा से पहले फ्लाइट का शेड्यूल एयरलाइन कंपनी से जरूर चेक करें।
» अगर आपकी फ्लाइट प्रभावित होती है, तो एयरलाइन की री-बुकिंग और रीफंड पॉलिसी की जानकारी लें।
» संभव हो, तो अपनी यात्रा की तारीख में बदलाव करने का विकल्प रखें।

नया एप्रन बनने के बाद बढ़ सकेंगी फ्लाइट्स

टर्मिनल 1 पर नया एप्रन भी बनाया जा रहा है। यह एएआइ आवासीय कॉलोनी के स्थान पर प्रस्तावित है। दावा किया जा रहा है कि यह भी मई के अंत या जून के पहले सप्ताह में बनकर तैयार हो जाएगा। इस एप्रन को रनवे से जोड़ने के लिए एक नया लिंक टैक्सी-वे भी बनाया जाएगा। इसके लिए एक छोटी सड़क बनेगी, जो विमानों की आवाजाही में मदद करेगी। इसके साथ ही एयरफील्ड ग्राउंड लाइटिंग सिस्टम को भी अपग्रेड किया जा रहा है। इसमें परिसर में लगी हैलोजन लाइटिंग को एलईडी में बदला जाएगा।

10 साल बाद हो रहा रनवे का रि-कारपेटिग काम

एयरपोर्ट प्रबंधन अधिकारियों का कहना है कि रनवे की री-कारपेंटिग का काम एक दशक बाद हो रहा है। रनवे कुल 3,407 मीटर लंबा व 45 मीटर चौड़ा है। इसके दोनों ओर 15 मीटर अतिरिक्त शोल्डर स्पेस है। रनवे समेत कुल 2.4 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में री-कारपेटिंग कार्य होगा। फ्लाइट ऑपरेशन ज्यादा प्रभावित नहीं हो, इसके लिए रोजाना 50 से 100 मीटर ही काम किया जाएगा।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड 1 अप्रैल से लागू करेगा नया नियम

अभ्यर्थियों से वसूली जाएगी 750 रुपये की पेनल्टी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं को लेकर नियम बदलने वाला है। इसमें सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब अभ्यर्थियों से राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड पेनल्टी वसूल करेगा। नया नियम 1 अप्रैल 2025 से लागू होने जा रहा है। दरअसल, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के बोर्ड मीटिंग में आगामी परीक्षाओं को लेकर नए नियम लागू करने का फैसला लिया गया है। इसके तहत कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षा में शामिल नहीं होने पर उम्मीदवारों को पेनल्टी देना होगा। बोर्ड के मुताबिक, अगर कोई उम्मीदवार भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन करता है और परीक्षा के समय उसमें शामिल नहीं होता है तो इसके लिए पेनल्टी भरने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए 750 रुपये का पेनल्टी देना होगा। हालांकि 750 रुपये की पेनल्टी दो भर्ती परीक्षाओं में शामिल नहीं होने के लिए देना होगा।

फर्जीवाड़े को रोकने के लिए एक और कदम

आलोक राज ने यह भी बताया है कि अब फॉर्म में अपनी शैक्षिक योग्यता को कोई भी कैंडिडेट माइनर करेक्शन जैसे कोई स्पेलिंग मिस्टेक, कोई एक आध डिजिट चेंज कर पाएगा। पूरी डिटेल्स, पूरा का पूरा शब्द या पूरा एनरोलमेंट नंबर या पूरी परसेंटेज रिप्लेस नहीं कर पाएगा। यदि सब डिटेल्स चेंज की तो अपात्र और डिबार किया जाएगा। वैसे भी ये करेक्शन फॉर्म भरने के तुरंत बाद दिए मौके पर कर पाएगा। परीक्षा के बाद दिए मौके पर एक छोटा सा करेक्शन भी नहीं कर पाएगा।

1500 रुपये पेनल्टी का भी प्रावधान

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने बताया कि बोर्ड मीटिंग में आज एक बड़ा निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा अब जो आवेदक एक वित्तीय वर्ष यानी 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक बोर्ड की कोई भी दो परीक्षाओं के आवेदन कर परीक्षा में नहीं बैठता है, तो उसे अगला कोई भी फॉर्म भरने के लिए 750 रुपये की पेनल्टी जमा करनी होगी। अगर उम्मीदवार दोबारा ये ही दोहराता है, यानी चार परीक्षाओं में नहीं बैठता है तो दूसरी बार 1500 रुपये की फीस देनी होगी। ये प्रावधान 01 अप्रैल 2025 से होने वाली सभी परीक्षाओं पर लागू होगा। इसीलिए अब आप तभी RSSB के फॉर्म भरो जब आपको परीक्षा देने का पूरा मन और प्लान बना लो। यह राशि उम्मीदवार को भविष्य में किसी भी भर्ती परीक्षा में आवेदन करने वक्त देनी होगी। आलोक राज ने कहा कि कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में बड़ी संख्या में आवेदन किये जाते हैं। लेकिन परीक्षा के समय अभ्यर्थी उपस्थित नहीं होते हैं। ऐसे में बोर्ड को आर्थिक नुकसान होता है। इस वजह से बोर्ड अब अभ्यर्थियों से पेनल्टी वसूलने का प्रावधान लागू करने जा रहा है।

राजस्थान को गुलामी के प्रतीक से मिली मुक्ति

113 साल पुराने किंग एडवर्ड मेमोरियल का बदला गया नाम

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान को 113 साल बाद गुलामी के एक प्रतीक से आजादी मिली है। गुलामी का यह प्रतीक राजस्थान के अजमेर में था। अजमेर में स्थित किंग एडवर्ड सप्तम मेमोरियल का भवन 1912-1913 में यात्रियों के ठहराव के लिए बनाया गया था। 1975 से यह रजिस्टर्ड सोसायटी के रूप में संचालित हो रहा है। 3 सितंबर 2014 को इसे पुरा स्मारक घोषित किया गया था। इस परिसर का कुल क्षेत्रफल 17,542 वर्गगज (लगभग 9 बीघा) है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर का इतिहास और संस्कृति गौरवशाली रही है और इसे पुनः स्थापित करने के लिए ये कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार आगे भी इस दिशा में काम करेगी। दरअसल विधानसभा अध्यक्ष और अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी ने अजमेर को गुलामी के एक और प्रतीक नाम से मुक्ति दिलाते हुए 113 साल पुराने किंग एडवर्ड मेमोरियल (केईएम) का नाम बदलकर महर्षि दयानन्द विश्रान्ति गृह कर दिया है। सहकारिता विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किए।

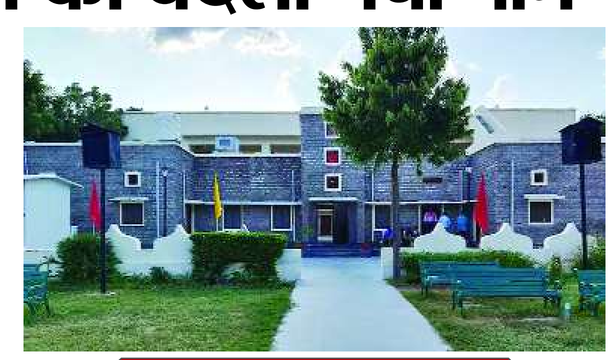

गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति की पहल

देवनानी ने कहा कि किंग एडवर्ड मेमोरियल को गुलामी के प्रतीक के रूप में देखा जाता रहा है। अजमेर के विभिन्न संगठनों, प्रबुद्धजनों और सामाजिक संस्थाओं ने इसका नाम बदलने की मांग की थी। इस क्रम में पहले राजस्थान पर्यटन विकास निगम के होटल खादिम का नाम बदलकर होटल अजयमेरू किया गया था। साथ ही, फॉयसागर झील का नाम बदलकर वरुण सागर किए जाने की भी घोषणा की गई थी।

नाम बदलने की घोषणा महर्षि दयानन्द की 200वीं जयंती पर की गई थी

देवनानी ने महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में केईएम का नाम बदलने की घोषणा की थी। इसके तहत विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर सहकारिता विभाग ने प्रक्रिया शुरू की और आधिकारिक आदेश जारी कर दिया।

सहकारिता विभाग ने जारी किया आदेश

सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार राजीव कजोत द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि किंग एडवर्ड सप्तम मेमोरियल (रेस्ट हाउस) सोसायटी का रजिस्ट्रेशन 16 सितंबर 1975 को राजस्थान सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1958 के तहत किया गया था। अब इसका नाम बदलकर महर्षि दयानन्द विश्रान्ति गृह संस्थान, अजमेर कर दिया गया है।

'माता का सम्मान'

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने विश्वव्यापी क्रिया कलापों को मूर्त रूप देने की दिशा में निरंतर सक्रिय है। यूनेस्को के गैर सरकारी संगठन आंदोलन को अपेक्षित दिशा में उन्नयन हेतु राजस्थान में यूनेस्को संगठन काफी सक्रिय है। प्रांतीय महासचिव जे.पी. भटनागर ने बताया कि पिछले 12 वर्षों से महिला दिवस पर धूमधाम से सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है। इसमें अन्य कार्यक्रमों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वालों की माताओं को सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष भी महिला दिवस पर कार्यक्रम शनिवार 8 मार्च को प्रताप सेतू मार्ग स्थित गणगौर गार्डन में आयोजित किया जा रहा है। किसी भी क्षेत्र में छात्र-छात्रा महिला, पुरुष द्वारा की गई विशिष्ट उपलब्धियां वालों की माता का सम्मान नाम से कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। जिला अध्यक्ष शैलेंद्र झँवर ने बताया कि कुछ प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी है। चयनित लगभग 35 लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इसी क्रम में अध्यक्ष शैलेंद्र झँवर ने बताया कि प्रान्तीय महासचिव जे.पी. भटनागर की सहमति से कार्यक्रम संयोजक हेतु सर्व सम्मति से वन्दना वजीरानी को नियुक्त किया गया है।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए विशेष अभियान 24 मार्च तक

चित्तौडगढ @ जागरूक जनता। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में चिकित्सा क्षय अनुभाग, की ओर से सम्पूर्ण जिले में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत की दिशा में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। जिले में 24 मार्चतक संचालित होने वाले इस अभियान का उद्देश्य टीबी (क्षय) रोग उन्मूलन को गति देना, समुदाय में टीबी की समय पर पहचान, उपचार एवं रोकथाम को सुदृढ़ करना है। जिले में इस अभियान के सफल संचालन हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ताराचन्द्र गुप्ता, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राकेश कुमार भटनागर एवं अन्य अधिकारियों से अभियान सफल बनाने के संबंध में चर्चा की है। अभियान के अंतर्गत जिले की 91 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए चिन्हित किया गया है, इन पंचायतों में निम्न मापदंडों के आधार पर मेडिकल कॉलेज चित्तौड़गढ़ की टीम द्वारा वेरिफिकेशन करने के पश्चात आगामी विश्व क्षयरोग दिवस 24 मार्च पर जिला कलक्टर द्वारा टीबी मुक्त ग्राम पंचायतें को पुरस्कृत किया जाएगा।

जिला कलक्टर ने ली नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं के अधिकारियों की बैठक

चित्तौडगढ @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने समिति कक्ष में नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके प्रभावी संचालन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने अन्नपूर्णा रसोई योजना की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना के तहत अधिक से अधिक गरीब और जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाए। यह योजना शहर के प्रमुख स्थानों पर लागू की जा रही है, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। उन्होंने रसोईयों की गुणवत्ता और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

करौली में किरोड़ी लाल का बड़ा बयान

'MLA से मंत्री और फिर मुख्यमंत्री बनने की चाहत', बोले- यही चाहत करती है परेशान

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

हिण्डौन। राजस्थान की राजनीति में अपने बयानों और खास अंदाज के लिए चर्चित भाजपा नेता किरोड़ी लाल मीणा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हिंडौन में जैन समाज के एक समारोह में उन्होंने एक ऐसा बयान दिया, जिसने नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया है। किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि इंसान की चाहत कभी खत्म नहीं होती और यही उसकी शांति भंग करने का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि अगर मेरे मन में ज्यादा चाहत बढ़ गई तो मेरी शांति भंग हो जाएगी। आदमी सोचता है कि अगर मैं एमएलए बन गया, तो मंत्री बन जाऊं। मंत्री बन गया, तो मुख्यमंत्री बनने की चाहत पैदा हो जाती है। यही चाहत आदमी को बहुत परेशान करती है।

समाज में आई नैतिक गिरावट

अपने संबोधन में उन्होंने समाज में बढ़ती नैतिक गिरावट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आजकल भाई-भाई का रिश्ता, बाप-बेटे का रिश्ता और बहन-भाई का रिश्ता तक कमजोर हो चुका है। अखबारों में रोज़ ऐसी खबरें पढ़ने को मिलती हैं, जो नैतिक आचरण की गिरावट को दर्शाती हैं। किरोड़ीलाल मीणा ने सोशल मीडिया, रोबोटिक्स और नई तकनीकों के बढ़ते प्रभाव पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आज का जमाना रोबोट, एआई और सोशल मीडिया का है। मैंने पूछा कि महाराज जी माइक से क्यों नहीं बोल रहे? तब मुझे बताया गया कि वे माइक का इस्तेमाल नहीं करते, न एसी में सोते हैं और न पंखे का उपयोग करते हैं।

स्कूलों में 'ग' से गमला नहीं गाय पढ़ाएगी यूपी सरकार!

गौसेवा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए बनाया जा रहा प्रस्ताव

उच्च स्तर पर इस प्रस्ताव को लेकर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

लखनऊ। यूपी के प्राइमरी स्कूलों में जब वर्णमाला और अक्षर ज्ञान करवाया जाता है तो सामान्यत तौर पर 'क' से कबूतर, 'ख' से खरगोश और 'ग' से गमला पढ़ाया जाता है। पाठ्यक्रम में जल्द ही 'ग' से गमला की जगह 'ग' से गाय ले सकती है। गौसेवा और गौपालन के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए पशुपालन विभाग प्राथमिक से उच्च स्तर तक इसको पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव बना रहा है। उच्च स्तर के लिए तो इस पर सैद्धांतिक सहमति भी बन चुकी है।

गाय और गंगा संघ, भाजपा और सरकार के प्राथमिक एजेंडे में है। योगी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद से ही अवैध स्लॉटर हाउस पर लगाम लगाने के साथ ही, निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए आर्थिक मदद सहित कई अन्य योजनाएं शुरू की हैं। सरकार की यह भी कोशिश है कि गौपालन को लेकर लोगों में स्वतः स्फूर्त जागरूकता हो, जिससे वे इसके महत्व व आवश्यकता को समझ सकें। शिक्षा इसका एक अहम माध्यम हो सकती है, इसलिए उसको भी इस पहल से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

प्राथमिक-माध्यमिक में जागरूकता-जानकारी पर जोर

पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह कहते हैं कि जब गाय दुधारू नहीं रहती तो बहुत से लोग उसे छोड़ देते हैं। व्यावसायिकता का यह निर्मम भाव संवेदनशीलता के अभाव से ही आता है। अगर हम प्राथमिक स्तर से ही गाय, गंगा सहित अपने प्रमुख आयामों के प्रति लोगों को जागरूक बनाएं, भावनात्मक लगाव का हिस्सा बनाएं तो स्थितियां बदल सकती हैं। ऐसे में महाकुंभ में आयोजित बैठक में हमने शिक्षा विभाग को यह प्रस्ताव भेजने का फैसला किया है कि 'ग' से गमला या गधा की जगह 'ग' से गाय पढ़ाया जाए। इसी तरह अंग्रेजी वर्णमाला में 'C' FOR COW पढ़ाएं। वहीं, जूनियर हाईस्कूल व माध्यमिक शिक्षा के स्तर पर गौपालन के महत्व, गौ आधारित कृषि को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए।

गौ-अर्थव्यवस्था व इनोवेशन को भी बढ़ावा

यूपी के कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि के विभिन्न आयामों, अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभावों के बारे में पढ़ाया जाता है। गौ-संरक्षण, गौ आधारित प्राकृतिक खेती सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा है। गंगा के किनारे 1000 गांवों को विशेष तौर पर प्राकृतिक खेती के प्रॉजेक्ट का हिस्सा बनाया गया है। विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के लिए इसे अकैडमिक्स से भी जोड़ा जाएगा। गौ-अर्थव्यवस्था व कृषि को उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा। इससे जुड़े इनोवेशन को प्रोत्साहित किया जाएगा और फंडिंग भी होगी। दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ-अनुसंधान संस्थान को इसके लिए पाठ्यर्‍ म तैयार करने को कहा गया है। इसे उच्च शिक्षा विभाग के साथ साझा किया जाएगा।

उत्साह से मनेगा गोवर्धन पीठाधीश्वर महाराज श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का जन्मोत्सव

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

खटकड़-आन्योर-गोवर्धन। परमपूज्य गोवर्धन पीठाधीश्वर महाराज श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का जन्मोत्सव 22 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। गोलोकवासी महाराज श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का कई शहरों और आश्रमों में जन्मोत्सव मनाया जाता है जिनमें मुख्य रूप से राजस्थान में गेंडोली खटकड़ के पास द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचनधाम, उत्तर प्रदेश के गोवर्धन स्थित रामानंद आश्रम और गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में आन्यौर के कंचनधाम में विशेष रूप से मनाया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री कंचन धाम सेवा संस्थान द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचनधाम में 21 फरवरी को रात्रि में सुन्दर कांड पाठ एवं 22 फरवरी को भजनसंध्या व भंडारा प्रसादी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं गोवर्धन स्थित आन्योर आश्रम की जानकारी देते हुए महाराज के शिष्य जगदीश शर्मा ने बताया कि यहां 7 सात दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें प्रातः पंच कुंडीय सूर्यनारायण यज्ञ, नवापारायण रामायण पाठ एवं शाम के समय साढ़े तीन बजे से साढ़े छ बजे तक महारुद्राभिषेक कार्यक्रम एवं साढ़े साथ से साढ़े आठ बजे तक राम नाम संकीर्तन कार्यक्रम प्रतिदिन हो रहे हैं। 22 फरवरी को भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार रामानंद आश्रम से रामअनुग्रहदास ने जानकारी देते हुए बताया कि महाराज श्री कृष्णदास कंचन महाराज का 22 फरवरी को एक दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें महाराजश्री का अभिषेक किया जाएगा। इसी दौरान महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक एवं श्रीकंचन हनुमान मंदिर में हनुमानजी का अभिषेक किया जाएगा। तत्पश्चात सुन्दरकांड एवं हवन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सायंकाल को प्रसादी भंडारा कार्यक्रम होगा।

संस्कृति द स्कूल में आगामी सत्र में लागू होंगे विभिन्न नवाचार

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

अजमेर। शहर के प्रतिष्ठित सी.बी.एस.ई. विद्यालय संस्कृति द स्कूल के चेयरमैन सीताराम गोयल, विद्यालय सह निदेशक नीरज कुमार बधौतिया , विद्यालय प्राचार्या मनीषा जौहरी व अन्य मैनेजमेंट पदाधिकारियों ने बताया कि अजमेर शहर के प्रथम डे बोर्डिंग स्कूल में छात्रावास सुविधा भी है जहां देश के विभिन्न राज्यों यथा मध्यप्रदेश, मणिपुर, वेस्ट बंगाल, गुजरात आदि से विद्यार्थी पढ़ने आते है। विद्यालय सह निदेशक नीरज कुमार बधौतिया ने कहा कि आगामी सत्र से विद्यालय में डे स्कूल, डे बोर्डिंग व बोर्डिंग की व्यवस्था लागू होगी, चूंकि विद्यालय में उत्कृष्ट मैस है अतः अभिभावक पौष्टिक व स्वादिष्ट नाष्ता व लंच का विकल्प भी ले सकते हैं। डे स्कूल सी.बी.एस.ई. द्वारा संचालित अन्य सामान्य विद्यालयों की तरह कार्य करेगा, वही डे बोर्डिंग में लंच के बाद के अतिरिक्त समय का सदुपयोग विद्यार्थी के व्यक्तित्व को निखारने हेतु स्किल्स डेवल्पमेन्ट प्रोग्राम, खेल और आवश्यकतानुसार विषयवार रेमेडियल क्लासेज (उपचारात्मक शिक्षण) के लिए किया जाएगा।

कुंडली में जेल का योग! नेता-अफसर खा रहे जेल की रोटी, योग टालने की कोशिशि

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर/अलवर। जेल जाने के नाम से ही लोगों की रूह कांप जाती है, लेकिन कुंडली में जेल जाने के योग को टालने के लिए लोग जेल की रोटी खा रहे हैं। ज्योतिषी भी कुंडली देखने के बाद लोगों को यह सलाह दे रहे हैं। हालांकि कुछ ज्योतिषियों का मानना है कि जब ग्रह प्रतिकूल होते हैं, तब इस तरह के टोटके काम नहीं आते। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि यदि द्वादश भाव में राहु हो, नीच का कोई ग्रह हो या अस्त का ग्रह हो और वह लगन से संबंध बनाए तो जेल यात्रा का योग बनता है। इसी तरह छठे भाव का स्वामी लगन से संबंध बनाए तो भी जेल जाने के योग बनते हैं। 12वें भाव में शनि राहु की युति, मंगल और राहु की युति एवं शनि व मंगल की युति से भी जेल और अस्पताल जाने का योग बनता है। हकीकत यह है कि कुंडली में बने जेल योग टालने के लिए लोग अपनी-अपनी पहुंच के हिसाब से जेल की एक अदद रोटी के लिए सिफारिशें तक लगवाते हैं। अफसरों और नेताओं के साथ जेलकर्मियों से सिफारिश करवाई जाती है। बंदियों के लिए बनने वाली रोटी में से ही इन लोगों को भोजन उपलब्ध करवाया जाता है।

ज्योतिषाचार्य शास्त्री ने बताया कि जेल का खाना खाने की सलाह 50 प्रतिशत तक काम करती है। संबंधित ग्रह से संबंधित दान भी देना चाहिए। हर माह कई लोगों को यह उपाय बताते हैं। कई अफसर, नेता व उद्योगपति भी जेल का खाना खाते हैं।

डर था कि कोई मुझे जेल में न डाल दे

जनता की आवाज उठाते हुए मैंने कई प्रदर्शन किए थे। जन्मपत्री में कुछ ऐसे ही योग बन रहे थे। ऐसे में डर था कि कोई मुझे जेल में न डाल दे। इस वजह से जेल में भोजन किया था। मैं बाहर रहकर लोगों की सेवा करना चाहता हूं।

दौलत मीणा, बस्सी से कांग्रेस विधायक प्रत्याशी (वर्ष 2019)

संकट टालने के लिए इस तरह के उपाय

कई लोगों की कुंडली देखने पर उनके जेल जाने के योग नजर आते हैं। उनको इस बारे में बताया जाता है तो वह सलाह मांगते हैं। संकट टालने के लिए इस तरह के उपाय करने पर लाभ मिलता है। नेता से लेकर आमजन तक यहां आए हैं और उनके जेल जाने का योग बनने पर सलाह दी है।

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग,

लगवाते हैं सिफारिश

जेल परिसर में अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाता है। कोई व्यक्ति यदि जेल के भोजन की डिमांड करता है तो उच्चाधिकारियों के संज्ञान में मामला लाकर उसे सहानुभूति के नाते भोजन उपलब्ध करवा दिया जाएगा। इस तरह के मामले जयपुर सेंट्रल जेल में ज्यादा आते हैं।

शिवेंद्र शर्मा, जेल अधीक्षक, अलवर सेंट्रल जेल

स्वर्गीय जागेटिया स्मृति महिला स्वास्थ्य शिविर में 167 महिला रोगियों की निशुल्क जांच की

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। स्वर्गीय डा कमल नयन जागेटिया व स्वर्गीय सोहन बाई जागेटिया की स्मृति में श्री अरबिंदो हॉस्पिटल इंदौर के अनुभवी डॉक्टर्स की टीम के द्वारा बुधवार को महेश भवन प्रताप नगर में आयोजित निशुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर में जागरूक 167 महिलाओं ने मेमोग्राफी, कोलपोस्कोपी, पैप स्मेयर, बायोप्सी, ब्लड प्रेशर, सुगर आदि की जांच करा कर लाभ लिया। शिविर आयोजक मुरली मनोहर जागेटिया व गणपत जागेटिया के अनुसार डीन डॉ. जयश्री तापड़िया, डॉ. मारिया, डॉ. अमर प्रताप सिंह, डॉ. मिराज, डॉ. अनुष्का, डॉ. रुचिका सहित टीम सदस्यो ने निशुल्क स्तन कैंसर व सर्वाइकल कैंसर की विशेष दो उम्मीदों वाली बस में आधुनिक तकनीकी से होने वाली जांच से महिला रोगियों का उपचार किया और चिकित्सकीय परामर्श दिया।

शिविर में अर्बन बैंक चेयरमैन डा आई एम सेठिया, पूर्व चेयरमैन विमला सेठिया, जनचेतना मंच के प्रांतीय अध्यक्ष हेमंत शर्मा, भारत विकास परिषद संरक्षक बाल किशन धूत, जेसीज पूर्व अध्यक्ष गोपाल पंगलिया आदि ने भी चिकित्सीय परामर्श लिया। जागेटिया परिवार द्वारा आयोजित शिविर शुभारंभ मदन लाल नामधर द्वारा दीप प्रज्वलन करने के बाद पूर्व तकनीकी निदेशक अजमेर डिस्कॉम अरुण जागेटिया, उद्यमी सुशील जागेटिया, ललिता, कमलेश, सरोज, स्नेहलता, कुसुम जागेटिया अरविंद बलद्वा, रामेश्वर गदिया, महेंद्र कोठारी, प्रतीक कोठारी, राकेश मंत्री, राकेश जैथलिया, शांति लाल भराड़िया आदि ने डॉक्टर्स की टीम का उपर्णा पहना कर स्वागत अभिनंदन किया ब शिविर में सराहनीय सेवाएं भी प्रदान की। शिविर संयोजक मुरली मनोहर जागेटिया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया

फिट चित्तौड़ क्लब द्वारा लाल बहादुर शास्त्री की मूर्ति की साफ सफाई

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। फिट चित्तौड़गढ़ क्लब संरक्षक सांसद सी पी जोशी की पहल पर चितौड़गढ़ शहर में चलाए जा रहे महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई के अभियान अंतर्गत फीट चित्तौड़ क्लब के सदस्यो ने सांसद कार्यालय पर प्रतिमा की साफ सफाई की। क्लब अध्यक्ष अनिल शिशोदिया के नेतृत्व में क्लब के सदस्यो द्वारा व्यायाम व योगा के पश्चात सांसद कार्यालय के पास पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मूर्ति की साफ सफाई की। पानी से प्रतिमा को धोकर साफ सफाई की। फिट चित्तौड़गढ़ क्लब संयोजक लोकेश त्रिपाठी ने कहा कि फीट चित्तौड़ क्लब हर रविवार को महापुरुषों की प्रतिमाओ की साफ सफाई का अभियान चला रहा है। इस अवसर पर शेखर शर्मा, प्रहलाद टेलर, शिव प्रकाश मंत्री, योगेश सारस्वत, धीरज सुखवाल, चेतन गोड़, अभिषेक जोशी, नीलेश बल्दवा, शुभम सुखवाल, श्रवण जाट, अर्जुन सिंह आदि उपस्थित रहे।

'वे फॉरवर्ड टू ए रॉबस्ट करियर' करियर गाइडेंस सेमिनार आयोजित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी से संबद्ध कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग (CTAE) में विद्यार्थियों के लिए "वे फॉरवर्ड टू ए रॉबस्ट करियर" -करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया गया। सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. विक्रमादित्य दवे ने अतिथि का स्वागत करते हुए करियर गाइडेंस की महत्ता पर प्रकाश बताया डाला।

सेमिनार में जाने-माने करियर काउंसलर, विदेश शिक्षा एक्सपर्ट और जे.एस. ग्लोबल उदयपुर जितेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों के साथ सफल व मजबूत करियर के लिए उपयोगी जानकारियां और रोड़मेप साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए बताया कि आज टेक्नोलॉजी बड़े पैमाने पर देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था को दिशा दे रही है और आप भाग्यशाली है कि आप टेक्नोलॉजी क्षेत्र के ही विद्यार्थी हैं। आपके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर डाटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी से लेकर ब्लाकचैन टेक्नोलॉजी तक में रोजगार के असंख्य अवसर उपलब्ध है बस आपको उनके लिए खुद को तैयार करना है।

उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे कॉलेज शिक्षा के दौरान पाठ्यक्रम के साथ-साथ अत्यंत जरूरी सोफ्ट स्किल भी डेवलप करें तो बेरोजगारी का सामना नहीं करना पड़ेगा। "गीग अर्थव्यवस्था" पर चर्चा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी योग्यता व इच्छा अनुसार पार्ट टाइम जॉब करने की भी सलाह दी करियर गाइडेंस और मोटिवेशन के साथ ही विद्यार्थी को विदेश में उपलब्ध उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में नौकरी के सुनहरे अवसरों के बारे में भी उपयोगी जानकारी दी गई कार्यक्रम के अंत में अधिष्ठाता डॉक्टर सुनील जोशी ने गाइडेंस सेमिनार के लिए जितेंद्र सिंह का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाजरा अनुसंधान संस्थान से किसानों को मिलेगा उन्नत किस्मों और नई तकनीकों का लाभ-चौधरी

बाड़मेर @ जागरूक जनता। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने गुड़ामालानी स्थित क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान संस्थान के स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित श्री अन्न किसान मेले में भाग लिया और इसका भ्रमण कर निर्माणाधीन संस्थान भवन का निरीक्षण किया और किसानों से संवाद किया। इस अवसर पर श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मोटे अनाज (श्री अन्न) को बढ़ावा देने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। मोदी ने वर्ष 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' के रूप में मनाकर इसे वैश्विक पहचान दिलाई और बाजरे को 'श्री अन्न' का सम्मानजनक नाम प्रदान किया।

एक और वंदे भारत की सौगात, डेढ़ घंटे कम हो जाएगी बीकानेर से दिल्ली की दूरी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

बीकानेर। रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। राजस्थान को जल्द ही एक और वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। वंदे भारत ट्रेन चलने से बीकानेर से दिल्ली पहुंचने में डेढ़ घंटा कम लगेगा। यानी 7 घंटे 50 मिनट का सफर महज 6.20 घंटे में पूरा होगा। रेलवे बोर्ड ने बीकानेर से दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की अस्थायी समय सारणी जारी कर दी है। लेकिन, बीकानेर रेलवे स्टेशन पर प्रारंभिक मेंटिनेंस की सुविधा मिलते ही यह वंदे भारत ट्रेन शुरू हो जाएगी।

सिर्फ एक ही स्टेशन पर होगा ठहराव

रेलवे की समय सारणी के मुताबिक वंदे भारत ट्रेन बीकानेर से सुबह 5.55 बजे रवाना होकर दोपहर 12.15 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वहीं, वापसी में यह ट्रेन दिल्ली से शाम 4.30 बजे रवाना होकर रात 10.50 बजे बीकानेर आएगी। खास बात ये है कि आने और जाने के दौरान इस इस ट्रेन का रास्ते में सिर्फ रेवाड़ी स्टेशन पर ही ठहराव होगा।

बीकानेर मंडल को सौंपा ट्रेन का जिम्मा

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार रेलवे बोर्ड ने वंदे भारत ट्रेन के प्रांरभिक रखरखाव का जिम्मा बीकानेर मंडल को सौंपा है। अभी बीकानेर रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन के प्रांरभिक रखरखाव की सुविधा नहीं है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

जोबनेर कृषि महाविद्यालय में छात्रों के लिए उद्यानिकी में प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन

आर्थिक लाभ व पर्यावरण संतुलन के लिए फूलों की खेती जरूरी-कुलपति डॉ सिंह

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में उद्यमिता से जुड़े छात्रों के लिए एक प्रायोगिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. बलराज सिंह ने फूलों की खेती व संरक्षित खेती की विशेषताओं, उनके कृषि और व्यावसायिक उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्लोरीकल्चर या फूलों की खेती आज के समय में किसानों के लिए एक लाभदायक व्यवसाय बनती जा रही है। फूलों की खेती में रोग-कीटों का खतरा कम रहता है और कम जगह पर भी आसानी से की जा सकती है।साथ ही बताया कि फूलों की खेती से खेतों की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है। इसकी बढ़ती मांग और व्यावसायिक उपयोग ने इसे कृषि क्षेत्र में एक आकर्षक विकल्प बना दिया है। साथ ही कहा कि आर्थिक लाभ व पर्यावरण संतुलन के लिए भी फूलों की खेती जरूरी हैं। फूलों की खेती किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत बन सकती है।

गुलाब, गेंदा, ऑर्किड, जरबेरा और लिली का कई देशों में निर्यात

प्रसंस्कृत फूल (ड्राई फ्लावर, परफ्यूम, तेल) और सजावटी पौधों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मांग बढ़ रही है। चमेली, केवड़ा, गुलाब जैसे फूलों से सुगंधित तेल तैयार किए जाते हैं। गेंदा और गुलाब का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और कॉस्मेटिक्स में किया जाता है। पॉलीहाउस और ग्रीनहाउस तकनीक से सालभर फूलों की खेती संभव होती है, जिससे किसानों को अधिक लाभ हो सकता है। यह तकनीक व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और किसानों व उद्यमियों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

K.R. MANGALAM

Fully Air-Conditioned

World School
Lucknow

ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ADMISSIONS NOW OPEN

Session 2025-26

Nursery to VIII

"Grand Opening Special" Be Among the First 100 Admissions and Enjoy Exclusive Offers!

DISCOVER Excellence WITH TOP-TIER INFRASTRUCTURE

RANKED 1st

No.1 SCHOOL CHAIN IN DELHI-NCR As Per "TIMES SCHOOL SURVEY 2024" BY THE TIMES OF INDIA

MODERN CLASSROOMS | ADVANCED LABS | ENGAGING ACTIVITY AREAS

Join K.R. Mangalam World School, Lucknow, where our exceptional infrastructure fuels academic curiosity and innovation. Our facilities are designed to inspire and nurture future leaders.

WHY CHOOSE US?

- Academic Legacy Backed Up with Technology
- World Class Playground and Diverse Sports Amenities
- Well-Equipped Labs for Practical Sessions
- Well-Stocked Library with Diverse Resources
- Dedicated Areas for Arts, Music, Drama, etc.
- Highly Qualified Teachers and Mentors
- Fully Air-Conditioned Buses

40,000+ Students | 4,000+ Faculty | 50,000+ Alumni

Now in Lucknow

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL GREATER KAILASH-II — RANKED 1st — SOUTH EAST DELHI LEADERS — Times School Survey 2024

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL VAISHALI — RANKED 1st — GHAZIABAD LEADERS — Times School Survey 2024

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL VIKASPURI — RANKED 1st — WEST DELHI 2 LEADERS — Times School Survey 2024

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL BAHADURGARH — RANKED 1st — OUTER DELHI 1 INNOVATORS — Times School Survey 2024

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL GREATER NOIDA — RANKED 1st — GREATER NOIDA CHALLENGERS — Times School Survey 2024

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL FARIDABAD — RANKED 1st — FARIDABAD CHALLENGERS — Times School Survey 2024

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL GURUGRAM — RANKED 1st — GURUGRAM LEADERS — Times School Survey 2024

K.R. MANGALAM WORLD SCHOOL PANIPAT — RANKED 1st — OUTER DELHI 2 LEADERS — Times School Survey 2024

K.R. MANGALAM NETWORK OF SCHOOLS & UNIVERSITY

Email: admission@krmangalamlucknow.com
Website: www.krmangalamlucknow.com

8800028284

WE DON'T OFFER ANY FRANCHISE
Ratan Khand, Near Rajani Khand, Sharda Nagar, Lucknow

UPCOMING SCHOOLS : Sector-2, Noida Extension · NH-24, Ghaziabad · KP-5, Greater Noida · Abhay Khand, Indirapuram

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जल संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री ने किए भागीरथी प्रयास-शर्मा

2047 तक भारत को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना हमारा विजन -केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमें जल संरक्षण के उपायों को अपनाकर जल आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। जिससे आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि जल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें एक सुव्यवस्थित रोडमैप की आवश्यकता है, जिसमें कृषि तथा शहरी जल प्रबंधन और तकनीकी नवाचार जैसे प्रमुख पहलुओं का समावेश हो। शर्मा उदयपुर में राज्य जल मंत्रियों के दूसरे अखिल भारतीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस आयोजन के लिए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सम्मेलन सहयोगात्मक संघवाद की परिकल्पना की जीती-जागती मिसाल है। उन्होंने कहा कि हमारी संवैधानिक व्यवस्था में जल राज्यों का एक विषय है, लेकिन प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों से जल राज्यों के बीच समन्वय एवं सहयोग का विषय बन गया है।

केन्द्र सरकार जल प्रबंधन के लिए बना रही प्रभावी कार्ययोजना - पाटिल

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने के विजन पर हम काम कर रहे हैं। मोदी जी ने स्वच्छता पर जोर दिया तथा 12 करोड़ शौचालय बनाए जिससे 60 करोड़ लोग लाभान्वित हुए तथा डायरिया जैसी गंभीर बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अब देश के 15 करोड़ घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पानी की शुद्धता को जांचने के लिए 25 लाख महिलाओं को किट एवं प्रशिक्षण दिया गया। इसी तरह, वर्षा जल संग्रहण के लिए कैच द रैन का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी गांवों में भू जल पुर्नभरण के लिए रिचार्ज वैल बनाने में योगदान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण को विकास एजेंडे में दी सर्वाच्च प्राथमिकता

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में जल आत्मनिर्भरता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन के रूप में एक भागीरथी प्रयास किया है। इसका लाभ आज राजस्थान के भी करोड़ों लोगों को मिल रहा है। राज्य सरकार शेष परिवारों को नल कनेक्शन देने के लिए भी तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण को देश के विकास एजेंडे में सर्वाच्च प्राथमिकता दी है तथा इस सबंध में एक अलग से जलशक्ति मंत्रालय भी बनाया, जिससे जल से संबंधित परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सके।

राम जल सेतु लिंक परियोजना प्रदेश की जीवन रेखा

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना प्रदेश की जीवन रेखा है तथा इसके माध्यम से प्रदेश के 17 जिलों में 4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई और 3 करोड़ से अधिक आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि कार्यर्‍ म के माध्यम से प्रवासी राजस्थानी प्रदेश के 60 हजार गांवों में भूजल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज वैल बनाने में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण के लिए कम पानी में उगने वाली फसलों, शहरी जल प्रबंधन, सीवरेज के पानी के शुद्धिकरण एवं पुनः उपयोग के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, जल गुणवत्ता और स्रोतों की निगरानी के लिए तकनीक का उपयोग सहित विभिन्न कदम उठा रही है।

संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना के तहत राजस्थान को मिलेगा ज्यादा पानी

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि रामजल सेतु परियोजना (संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना) के तहत राजस्थान को ज्यादा पानी मिलेगा। परियोजना के तहत आने वाले समय में राजस्थान को बड़ी मात्रा में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यमुना जल समझौते के तहत भी राजस्थान तथा हरियाणा राज्यों के त्वरित निर्णय से यमुना का सरप्लस वॉटर राजस्थान में आना संभव हो पाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने, हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाने, किसानों को जल संकट से मुक्ति, नदी-जलाशयों को पुनर्जीवित करने का संकल्प लेना चाहिए।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि ओडिशा में से महानदी, गोदावरी, नर्मदा और ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदिया बहती हैं, जो जल संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को बढ़ाती हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा में वर्षा पर्याप्त है, लेकिन वर्षा वितरण में असमानता है। इसलिए जल सुरक्षित राज्य के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमने बाढ़ नियत्रंण तथा जल संरक्षण को विभिन्न परियोजनाओं में प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारी महिला स्वयं सहायता समूह भी भू जल रिचार्ज करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही हैं।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि त्रिपुरा का 70 प्रतिशत क्षेत्र वन क्षेत्र है तथा अधिकतर जनसंख्या आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। हमारी सरकार सिंचाई के प्रोजेक्ट्स को बढ़ाने पर जोर दे रही है, जिससे कृषि की उत्पादकता बढ़े तथा किसानों की आय में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सीमित जल संग्रहण क्षमता के कारण सतही जल आधारित सिंचाई परियोजनाओं की संभावना कम है।

भजनलाल सरकार का दूसरा बजट आज

पहले बजट की घोषणाएं कुछ पूरी तो कुछ अधूरी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। अगले सप्ताह भजनलाल सरकार का दूसरा बजट आने वाला है, लेकिन अब तक पिछले बजट की कुछ योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, कुछ पर काम जारी है और कई पर काम शुरू ही नहीं हुआ। 39 फीसदी जिलों में बड़ी घोषणाएं धरातल पर उतरीं और जनता को लाभ मिलना भी शुरू हो गया। इसके विपरीत 47 फीसदी जिलों में बड़ी घोषणाओं की कागजी प्रक्रिया के लिए फाइलें ही दौड़ रही हैं और पांच जिलों में बड़ी घोषणाओं के लिए शुरुआत ही नहीं हुई। राज्य में पिछले बजट की जिलेवार बड़ी बजट घोषणाओं की पड़ताल में यह सामने आया। मामले में अब तक का चलन रहा है कि वित्तीय वर्ष के अंतिम माह मार्च में जाकर काम गति पकड़ता है। हालांकि पूर्ववर्ती सरकार ने इसमें बदलाव का प्रयास किया और कुछ घोषणाओं पर बजट पारित होने से पहले ही शुरुआत होने लगी। यह व्यवस्था जारी है, लेकिन वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में ही घोषणाओं का जनता को लाभ मिलना शुरु हो जाए ऐसा अब तक नहीं हो पाया है।

ये घोषणाएं हुई पूरी

जयपुरः वन विभाग ने प्रदेश में 7 करोड़ पौधे लगाए, जिससे जयपुर में भी वृक्षारोपण को बढ़ा। रोडवेज ने बसों की खरीद प्रक्रिया शुरू की, इससे रोडवेज के बेडे में इलेक्ट्रिक बसें शामिल होंगी। जयपुर से बड़ी संख्या में बसों का संचालन होने या इनके गुजरने से प्रदूषण बढ़ रहा है, इलेक्ट्रिक बसों से इसमें कुछ राहत मिलेगी।
भीलवाड़ाः जिला मुख्यालय पर नगर परिषद को नगर निगम में बदला, बिजौलिया में नगर पालिका।
सीकरः धोद को नगर पालिका का दर्जा मिला, खाटूश्यामजी में नया थाना खुला।
चूरूः जिला अस्पताल से सेटेलाइट अस्पताल को जोड़ा गया।
दौसाः लालसोट नगर पालिका को नगर परिषद का दर्जा।
जालोरः सायला में नगरपालिका।
झुंझुनूंः सुलताना, जाखल और डूंडलोद में नगर पालिका।
पालीः नगर परिषद बदली नगर निगम में।
प्रतापगढ़ः अरनोद में महाविद्यालय।
भरतपुरः केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के पास जूलॉजिकल पार्क के लिए जमीन आवंटित और बजट स्वीकृत।
बीकानेरः बीकानेर विकास प्राधिकरण का गठन।
ब्यावरः मसूदा में नगर पालिका।
फलोदीः बालिका महाविद्यालय प्रारंभ।
श्रीगंगानगरः राजकीय जिला चिकित्सालय में कैंसर विंग का शुभारंभ।

कागजी प्रक्रिया में दौड़ रही घोषणाएं

अलवरः सिलीसेढ़ से पानी लाने के लिए टेंडर, काम पूरा नहीं।
सिरोहीः आबूरोड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उप जिला अस्पताल में क्रमोन्नत, स्टाफ की कमी बरकरार।
कोटाः ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए टेंडर, निर्माण शुरू नहीं।
करौलीः सेटेलाइट अस्पताल के लिए स्वास्थ्य कर्मियों के पद स्वीकृत, अस्पताल चालू नहीं।
डूंगरपुरः शिल्पग्राम के लिए जमीन आवंटित, निर्माण कार्य पूरा नहीं।
उदयपुरः गोवर्धन विलास में 212 आवासों की लॉटरी प्रक्रिया पूरी, जमीन अधिग्रहण बाकी।
सलूम्बरः जाखम का पानी जयसमंद में लाने के लिए डीपीआर बनी, लेकिन कार्य शुरू नहीं।
राजसमंदः खारी फीडर को चौड़ा करने के लिए बजट स्वीकृत, निर्माण शुरू नहीं।
खैरथल तिजाराः भिवाड़ी में जलभराव के समाधान के लिए डीपीआर बनी, पहले चरण के टेंडर जारी।
कोटपूतली-बहरोडः देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालय के लिए भूमि आवंटित, निर्माण नहीं।
धौलपुरः स्टेडियम के लिए जमीन आवंटित, कार्य प्रक्रियाधीन।
अजमेरः दो नए थानों की घोषणा, केवल एक हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना शुरू।
डीडवाना-कुचामनः 300 बेड के अस्पताल की घोषणा, पर सेवाएं सीमित।
बाड़मेरः 48 करोड़ की लागत से सड़कों की घोषणा, निर्माण अधूरा।
जोधपुरः लूणी ग्राम पंचायत का नगरपालिका का दर्जा, पर बजट जारी नहीं।
हनुमानगढ़ः नशा मुक्ति केंद्र को स्वीकृति, संचालन सुचारु नहीं।
झालावाड़ः डग में महाविद्यालय की घोषणा, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा।
करौलीः हिण्डौन-बयाना मार्ग पर बायपास और श्रीमहावीरजी में हाई लेवल ब्रिज की डीपीआर प्रक्रियाधीन।

जिला अभिभाषक संस्थान कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण सम्पन्न

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़ । जिला अभिभाषक संस्थान चित्तौड़गढ़ की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह नवीन न्यायालय के एडवोकेट चेम्बर परिसर में सम्पन्न हुआ।

सचिव नरेन्द्र योगी ने बताया कि शपथग्रहण समारोह राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के न्यायाधिपति मनोज गर्ग, मुन्नूरी लक्ष्मण, फरजंद अली, जिला एवं सेशन न्यायाधीश महेन्द्र सिंह सिसोदिया, बार कौंसिल इंडिया चेयरमेन सुरेशचन्द्र श्रीमाली, बार कौंसिल राजस्थान चेयरमेन राव रतनसिंह के सानिध्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें न्यायाधिपति मनोज गर्ग ने चित्तौड़गढ़ की कार्यकारिणी के अध्यक्ष अध्यक्ष एसपी सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष अनुराग दाधीच, सचिव नरेन्द्र योगी, सहसचिव हिमांशु कीर, पुस्तकालय प्रभारी शुभम सुखवाल राशमी, कोषाध्यक्ष संदीप सेठिया को शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में ही 50 वर्ष से अधिक वकालतकर्ता वरिष्ठ अधिवक्तागण लक्ष्मीलाल पोखरना, सत्यनारायण ईनाणी, सैयद दौलत अली, बंशीलाल गर्ग, सुगन सुराणा, रामेश्वर सनाढ्य, कैलाश झंवर, बसंतीलाल पोखरना, इसरार अहमद, रामकुमार शर्मा, शोभालाल डाड को बार कौंसिल चित्तौड़गढ़ द्वारा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस दौरान राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर एआईजीजी नीरज गुर्जर, बार कौंसिल उदयपुर एवं भीलवाड़ा की नवीन कार्यकारिणी सहित सम्पूर्ण जिले के अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

शिक्षा के साथ अपनी कला एवं संस्कृति को महत्व देवें-डॉ. रूमा

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। क्षेत्र के आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय तेजियावास में "संकल्प 2025" वार्षिकोत्सव एवं आशीर्वाद समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। मुख्य अतिथि डॉ.रूमादेवी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए निरन्तर प्रयास एवं धैर्य बहुत जरूरी है। शिक्षा के साथ अपनी कला एवं संस्कृति को महत्व देवें।

कार्यक्रम अध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर नरेश कुमार सारण ने विद्यार्थी शिक्षा अध्ययन के दौरान अपने भविष्य की नींव तैयार करें। सफलता के लिए ज्ञानेन्द्रियों पर नियंत्रण रखते हुए एकाग्रता के साथ लग्न व समर्पण से अध्ययन करें। मुख्य वक्ता प्रेमसिंह राजपुरोहित ने प्रतिस्पर्धा के युग में शिक्षा महत्व को बताते हुए कहा कि विभिन्न परीक्षाओं में उत्तरोत्तर प्रगतिशील रहने की जरूरत है। बाबूलाल जांदू ने वर्तमान समय में शिक्षा के साथ संस्कारों की महती जरूरत है। संस्कारवान युवा ही राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभा सकता है। प्रधानाचार्य हुकमाराम चौधरी ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष भीखाराम बैरड़, कुलदीप साऊ ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक रावताराम गोदारा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पूर्व सरपंच खुमाराम बैरड़, नाथाराम सारण, डबोई सरपंच हरीराम जाजड़ा, रामाराम बैरड़, ताजाराम सियाग, सोनाराम जांदू, ओ.पी.जाखड़, व्याख्याता कानाराम सेंवर, लिखमाराम भांभू, तिलाराम सेंवर, भोमाराम सियोल, मगाराम सियोल, ओमप्रकाश मैहला, पुखराज सेंवर, जगदीश प्रसाद बिश्नोई, शिवबैरड़, सहित अभिभावक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

अदानी फाउंडेशन शुरूआत में करेगा 2000 करोड़ दान

देश में शिक्षा मंदिर खोलेगा अदानी फाउंडेशन

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

नई दिल्ली। अदानी समूह की सीएसआर यूनिट अदानी फाउंडेशन ने देश भर में शिक्षा के मंदिर स्थापित करने के लिए प्राइवेट K-12 एजुकेशन में दुनियाभर में अग्रणी GEMS एजुकेशन के साथ सहयोग किया है। अदानी परिवार की तरफ से 2,000 करोड़ रुपये के शुरुआती दान के साथ, साझेदारी समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे को सस्ती बनाने को प्राथमिकता देगी।

पहला स्कूल लखनऊ में आएगा

चेयरमैन गौतम अदानी के सामाजिक दर्शन सेवा साधना है, सेवा प्रार्थना है और सेवा ही परमात्मा है के मुताबिक, साझेदारी इनोवेशन और क्षमता विकास द्वारा समर्थित शिक्षण दक्षताओं को विकसित करने पर केंद्रित सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के अनुसंधान

संस्थानों को भी जन्म देगी। पहला 'अडानी GEMS स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में लखनऊ में आएगा। अगले तीन वर्षों में, K-12 सेगमेंट में कम से कम 20 ऐसे स्कूल भारत के प्राथमिक महानगरीय शहरों में और बाद में टियर II से IV शहरों में भी शुरू किए जाएंगे। इन स्कूलों में, वंचित और योग्य बच्चों के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम में 30% सीटें निःशुल्क होंगी।

अगली पीढ़ी को तैयार करना है लक्ष्य

अदानी समूह की अखिल भारतीय उपस्थिति और व्यापक अवसंरचना क्षमताओं और जीईएमएस की शैक्षिक विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, साझेदारी की योजना पूरे भारत में छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक स्केलेबल, किफायती और टिकाऊ मॉडल विकसित करने की है। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा कि यह पहल विश्व स्तरीय शिक्षा को किफायती और व्यापक रूप से सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जीईएमएस एजुकेशन के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और अभिनव डिजिटल शिक्षा को अपनाकर, हमारा लक्ष्य परिवर्तन करने वालों की अगली पीढ़ी को भारत में सामाजिक रूप से जिम्मेदार नेता बनने के लिए तैयार करना है।